RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

हिन्दी मासिक

माली सैनी सन्देश

जोधपुर

निष्पक्ष, निडर, नीतियुक्त पत्रकारिता

वर्ष : 13 | अंक : 157 | 31 जुलाई, 2018 (संयुक्तांक) | मूल्य : 20/-

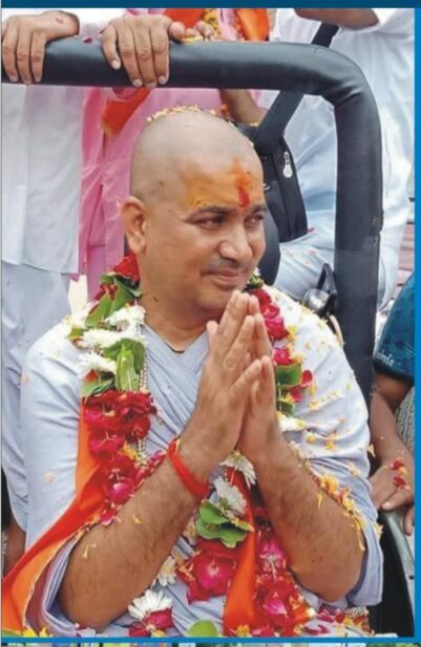

संत श्री लिखमीदासजी महाराज की शोभायात्रा में उमड़ा जन सैलाब

जोधपुर में संत सिरोमणी लिखमीदास जी महाराज की द्वितीय भव्य शोभायात्रा की झलकियां

RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831
Postal Regd No. Jodhpur/463/2017-19

माली सैनी सन्देश

● वर्ष :13 ● अंक 157 ● 31, जुलाई 2018 (जून-जुलाई संयुक्तांक) ● मूल्य : 20/- प्रति ●

संरक्षक :

श्रीमान रमेशचंद्र कच्छवाहा
(अध्यक्ष, ठेकेदार ऐसोसियेशन
नगर निगम, जोधपुर)

श्रीमान लक्ष्मण सिंह सांखला
(समाजसेवी/भामाशाह)

श्रीमान मोहनसिंह सोलंकी
(उद्योगपति/समाजसेवी)

श्रीमान नरपतसिंह सांखला
(बिल्डर्स/समाजसेवी)

सह संरक्षक:

श्री ब्रह्मसिंह चौहान
(जिला - उपाध्यक्ष,भाजपा, जोधपुर)

प्रेस फोटोग्राफर

जगदीश देवड़ा
(रितू स्टूडियों मो) 94149 1484

मार्केटिंग इंचार्ज

रामेश्वर गहलोत
(मो. 94146 02415)

कम्प्यूटर

इरशाद ग्राफिक्स, जोधपुर
(मो. 7737651040)

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के स्वयं के विचार है। किसी भी विचार के साथ संपादकीय सहमति का होना आवश्यक नहीं है।
सभी प्रंसगों का न्यायिक क्षेत्र जोधपुर ही होगा।

समाज का इतिहास . . .

(समाज के सभी वर्गो के निवेदन पर माली समाज के इतिहास की संपूर्ण जानकारी - पार्ट 14)

वैदिक काल में भारतीय समाज चार वर्णों में विभक्त था। कालान्तर में यह वर्ण व्यवस्था जाति व्यवस्था में परिवर्तित हो गई और चारों वर्ण क्रमशः ब्राह्मण, वैश्य, क्षत्रिय व शूद्र से हजारों जातियां बन गई। भारतीय समाज विभिन्न जातियों में विभक्त हो गया, लेकिन यह विभाजन जाति व्यवस्था तक ही सीमित नहीं रहा। जातियों में गौत्र व्यवस्था का प्रचलन हुआ जिससे एक जाति सैकड़ों गौत्रों में बंट गई। परिणामस्वरूप गौत्र परिवार बने और जातीय एकता में कमी आई।

इस गौत्र व्यवस्था के प्रादुर्भाव से हमारा माली समाज भी अछूता नहीं रहा। वर्तमान में भारत के कुछ राज्यों –दिल्ली, गुजरात, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश आदि को छोड़कर अन्य समस्त राज्यों में देखें तो यह ज्ञात होगा कि समस्त माली समाज अपने नाम के साथ उपनाम के रूप में अपने गौत्र का प्रयोग करते है न कि माली सैनी का।

राजस्थान में भी अलवर, शेखावाटी आदि कुछ क्षेत्रों को छोड़कर समस्त राजस्थान में अधिकांशतः उपनाम के रूप में गौत्रों का ही प्रयोग किा जाता है। अपने उपनाम के रूप में गौत्रों के प्रयोग के पीछे समाज के व्यक्तियों का क्या उदेश्य है, यह अनुमान नहीं लगाया जा सकता है। वह हमारी पहचान में रूकावट है। इस गौत्र प्रथा से माली समाज का बोध सम्भव नहीं है जिसमें हम एकता की डोरी में बंध सकें। गौत्रों के कारण समाज के सदस्य परस्पर परिचित नहीं हो पाते। गौत्रों के उपयोग से सामाजिक दूरी बढी है क्योंकि वर्तमान हिन्दू समाज में लगभग एक से ही गौत्र सभी जातियों में आसानी से मिल जाते है। जैसे –चौहान गौत्र माली समाज के अलावा राजपूत, मुस्लिम, धोबी, चमार आदि अन्य समाजों में भी पाये जातें है और भी ऐसे बहुत से गौत्र है जो अनेक समाजों में पाये जातें है जैसे राजेरिया, खटीक, कायस्थ, माली, बनियों के गौत्रों में पाया जाता है। इस प्रकार यह अनुमान लगाना सम्भव नहीं है कि अमुक गौत्र वाला अपने समाज से सम्बन्धित है या नहीं। स्पष्ट है कि इसके कारण हमारे समाज के व्यक्ति आपस में एक–दूसरे से अपरिचित से रहते है।

गौत्रों की अधिकता के कारण समाज का व्यक्ति समाज से विलग रहता है क्योंकि वह सभी गौत्रों से परिचित भी नहीं होता है। राजस्थान से बाहर तो जाति के गौत्रों से स्थिति और भी अधिक गम्भीर हो गई है क्योंकि अन्य प्रदेशों में जाति–भाईयों के गौत्रों से यहां के गौत्र मेल नहीं खाते हैं परन्तु समझने की बात है। भार्गव, जैन, गुप्ता और सिख जाति केवल अपने जाति नाम से जानी जाती है उनके सम्बोधन में गौत्रों का प्रचलन नहीं है।

इस प्रकार यह स्पष्ट हो जाता है कि गौत्र व्यवस्था माली समाज की एकता के लिए अभिशाप बन गई हैं। गौत्र के प्रयोग से जाति का पता लगाना कठिन हो गया है। अतः हमें अपनी जाति को गुप्त नहीं रखना चाहिए। हमारी जाति का उज्जवल इतिहास है फिर जाति के नाम से हीन–भावना क्यों होती हैं? महात्मा ज्योतिबा फूले का भी माली जाति में जन्म हुआ, उन्होंने भारतीय समाज के दलितों का उत्थान किया। हमें हमारी जाति पर गर्व है।

अतः हम सभी को अपने नाम क उपनाम के बदले में माली सैनी का प्रयोग करना चाहिए जिससे समाज में एकता स्थापित हो सके। समाज में व्यक्ति परसपर एक–दूसरे को पहचान कर जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सहयोग करें, अन्यथा हमारा माली–समाज जो देश के पिछड़े समाजों की सूची में हैं, लाख कोशशें के पश्चात् भी पिछड़ा ही रह जाएगा। इसके लिए हमें भावी पीढ़ी के नाम के साथ उपनाम के स्थान पर सैनी या माली का उपयोग कर के समाज की पहचान में सहायक बनाना चाहिए। ऐसा करने से हमारा समाज अधिक संगठित हो सकेगा।

क्रमश :.....

माली सैनी संबोधन ही सार्थक प्रयोग है...

इतिहासविद्
स्व. श्री सुखबीर सिंह गहलोत के ग्रंथ राजस्थान का माली सैनी समाज से साभार.....

मनीष गहलोत

संत शिरोमणि लिखमीदास जी महाराज जयंति धूमधाम से मनाई

संत लिखमीदास जयंती पर 121 झांकियों में सामाजिक कुरीतियां मिटाने, स्वच्छता रखने व यातायात नियमों की पालना के संदेश गौ माता एंव बालोतरा की गेर ने पारंपरिक नृत्य से जमाया रंग, जगह-जगह हुआ स्वागत-सत्कार

जोधपुर, 26 जुलाई। माली समाज के आराध्य संत लिखमीदास महाराज की जयंती पर गुरुवार को शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इसमें सौ से ज्यादा झांकियों के साथ बालोतरा की गेर ने पूरे रास्ते नृत्य कर रंग जमाया। शोभायात्रा में शामिल स्वच्छता का संदेश देने वाली व सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार करती झांकियों ने शहरवासियों को जागरूक किया।

सूरसागर बड़ा रामद्वारा के महंत रामप्रसाद महाराज व समाज के गणमान्य लोगों ने संत लिखमीदास महाराज की पूजा-अर्चना की। उसके बाद गाजों-बाजों की स्वर लहरियों के बीच शोभायात्रा महामंदिर सुमेर शिक्षण संस्थान से सुबह दस बजे रवाना हुई, जो पीलवा हाउस, नागौरी गेट, विजय चौक, उम्मेद चौक, माणक चौक से त्रिपोलिया होते हुए सोजती गेट से मोहनपुरा पुलिया से पुलिस लाइन होकर रातानाडा कृष्ण मंदिर पहुंचकर विसर्जित हुई। शोभायात्रा में माली समाज के युवा मोटरसाइकिलों पर सवार होकर चल रहे थे। वहीं गणमान्य लोगों ने पंचरंगी साफे पहन रखे थे। यात्रा में देवी-देवताओं के साथ समाज के संतों एवं पर्यावरण सुरक्षा, सामाजिक कुरीतियां दूर करने सहित अनेक झांकियां शामिल थीं। शोभायात्रा अनेक स्थानों पर विभिन्न संगठनों ने स्वागत- सत्कार किया। शोभायात्रा में केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री गजेंद्रसिंह शेखावत व महापौर घनश्याम ओझा भी शामिल हुए। शोभायात्रा के दौरान दुपहिया वाहनों पर आगे चल रहे युवक संत के जयकारे लगा रहे थे।

शोभायात्रा में कई गणमान्य लोग हुए शामिलः शोभायात्रा में माली संस्थान के अध्यक्ष पुखराज सांखला, पूर्व मंत्री राजेंद्र गहलोत, प्रदेश माली महासभा के चेयरमेन ऊंकारराम कच्छवाह, सुमेर शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष नरेंद्र कच्छवाह, पूर्व महापौर ओमकुमारी गहलोत, पूर्व जेडीए चेयरमैन राजेंद्र सोलंकी, माली समाज हरिद्वार के अध्यक्ष बाबूलाल पंवार, पूर्व राजसिको चेयरमेन सुनील परिहार, समाजसेवी लक्ष्मणसिंह सांखला, भारत सेवा संस्थान के नरपतसिंह कच्छवाहा, शिक्षाविद निर्मल गहलोत, सुमेर शिक्षण संस्थान के सचिव जसवंत सिंह कच्छवाह, माली संस्थान के पूर्व अध्यक्ष देवीचंद देवड़ा, सुरसागर माली समाज अध्यक्ष रणवीर सिंह परिहार, पार्षद सुषमा परिहार, पार्षद श्यामादेवी गहलोत, पार्षद विमला सांखला, पार्षद अरविंद गहलोत, पूर्व पार्षद मयंक देवड़ा, नैनसिंह गहलोत, पूर्व प्रधान भगवती सांखला, कुंती देवड़ा, मीना सांखला, गीता पंवार, दिव्या गहलोत, लीलावती भाटी, मधु सांखला, डॉ. अनुलता गहलोत, रेणुका भाटी, कंचन परिहार सहित सैकड़ों मातृ शक्ति ने शोभायात्रा का मान बढ़ाया।

दैनिक भास्कर व पर्यावरण विकास संस्थान ने पौधे वितरित किए : मगरा पूंजला स्थित माता का थान और माली समाज खेमे का कुंआ से लिखमीदास जयंती पर अनेकों झांकियां निकाली गईं, जिनमें पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। देवड़ा मार्केट एसोसिएशन के अध्यक्ष जगदीश देवड़ा ने बताया कि दैनिक भास्कर एवं श्री सैनिक क्षेत्रीय पूंजला नाडी संरक्षण और पर्यावरण विकास संस्थान की साझा मेजबानी में नरसिंहजी की प्याऊ चौराहे पर पौधे वितरित किए गए। कार्यक्रम में छंवरलाल गहलोत, अशोक गहलोत, मोहनसिंह, मुकेश देवड़ा, लुंबाराम देवड़ा, प्रेमसिंह सोलंकी, राजेंद्र सोलंकी, विशाल देवड़ा, सुनील टाक, नरसिंह देवड़ा, हुकमाराम टाक, प्रदीप गहलोत, नरेश सांखला सज्जन प्रकाश टाक, चेतन गहलोत, रामकिशोर, सूरज, मुकेश, बाबूलाल, मनोज, योगेश, अमित, प्रवीण, जेठूसिंह आदि मौजूद थे।

गौ माता एवं बालोतरा की गेर रही आकर्षण का केंद्रः शोभायात्रा में श्री कृष्ण गौ-शाला नागौर से विशेष रूप से गौमाता की झांकी ने सबका मन मोह लिया। हर कोई इस झांकी के साथ अपनी सेल्फी लेने को आतुर दिखा। बालोतरा से आई गेर ने पूरे रास्ते नृत्य कर रोचक प्रस्तुति दी। गेर ने अनेक जगह अपने परंपरागत तरीके से नृत्य पेश कर लोगों का मनोरंजन किया। पर्यावरण सुरक्षा एवं बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ, सड़क सुरक्षा का संदेश जैसी झांकियां भी आकर्षण का केंद्र रहीं।

शोभायात्रा मे मुख्य भामाशाहों के योगदान की लिस्ट :

शोभायात्रा के समापन पर स्वागत एवं प्रसादी : श्री कृष्ण मंदिर ट्रस्ट, रातानाड़ा, होर्डिंग्स एवं समाचार पत्रिका में विज्ञापन : लक्ष्मणसिंह सांखला, विज्ञापन : निर्मल गहलोत, शोभायात्रा में प्रसादी : युधिष्ठर सिंह परिहार, पैम्पलेट्स : मुकेश गहलोत, बैनर्सः नरपतसिंह सांखला, झण्डियां : गोपाल सांखला, बैण्ड : अशोक पंवार एवं सुनिल गहलोत, बालोतरा गेर : संत शिरोमणी लिखमीदास जी महाराज स्मारक विकास संस्थान।

झांकियां : कामधेनु सेना, श्री कृष्ण गोपाल गौशाला– नागौर, सूरसागर माली समाज, खेमें का कुंआ माली समाज, माता का थान माली समाज, चौखा–गोलासनी माली समाज, सती माता सेवा समिति, चांदपोल (जालेची / नैनची बाग), मगरा पूंजला, रूपावतों का बेरा, चौखा, कैरू, सरस्वती लाईब्रेरी– मण्डोर, सिंध माली समाज जय दादा स्वामी शिवगर सेवा मण्डली, कृष्णा आदर्श विद्या मंदिर, ग्रेट सत्यम एकेडमी, जगदम्बा सैकण्डरी स्कूल, आर. एस. एम. सैकण्डरी स्कूल, सुनिता बाल निकेतन, सरस्वती विद्या मंदिर सि. सैकण्डरी स्कूल, सनसिटी सैकण्डरी स्कूल, आलोक पब्लिक सि. सैकण्डरी स्कूल, सेंट एन्सलम एन. एस. सैकण्डरी स्कूल, सत्य सांई स्कूल, 16खेड़ा मथानियां, मण्डोर पब्लिक स्कूल, राजस्थान प्रदेश माली युवा शाखा–जोधपुर, मित्र मण्डली–महामंदिर, रामदेवरा धर्मशाला– सूरसागर, सिंगापुर स्टेट क्लब–सूरसागर, सैनिक क्षत्रिय माली पूंजला नाड़ी सहित अनेकों सामाजिक धार्मिक संस्थाओं व समाज के युवा वर्गो द्वारा 121 झांकियां निकाली गई।

इसके अलावा शोभायात्रा के पूरे मार्ग में निम्न समाजसेवियों संस्थाओं द्वारा बच्चों अल्पाहार, जलपान, नाश्तें, मिठाई, लस्सी, आईसक्रीम, कोल्ड ड्रिक्सं, बिस्कुट फल, मिल्क रोज की व्यवस्था की गई :

संदीप, घनश्याम पंवार, परिहार स्वीट्स, राममोल्ला समिति, ओमप्रकाश गहलोत, राघवेन्द्र सांखला, सब्जी एवं फल मण्डी दलाल संघ, जालोरियों का बास माली समाज, विजय चौक माली समाज, विद्या बाल निकेतन, मुल्तान स्वीट्स, कानजी स्वीट्स, रामजी स्वीट्स, राजस्थान स्वीट्स, रामदेव वॉटर सप्लाई, मण्डोर माली युवा संगठन, किशन गहलोत, थलियों का बास मौहल्ला, मानसिहं, रवि देवड़ा, राकेश सोलंकी, मित्र मण्डली, पूरण सिंह सहित अनेकों संस्थाओं, व्यापारिक प्रतिष्ठानों एवं समाज के प्रबुद्वजनों ने की थी।

शोभायात्रा में इनका रहा विशेष सहयोग :

मयंक देवड़ा, जगदीश पंवार, इन्द्रसिंह सांखला, मनोहर सिंह सांखला, राधाकिशन तंवर, महेन्द्र सिंह तंवर, राजेश गहलोत, धमेन्द्र सांखला, मनीष गहलोत, आनंदसिंह गहलोत, विमलेश गहलोत, पंकज सांखला, अरविंद परिहार, जगदीश देवड़ा, गोपी अरविंद कच्छवाहा, विरेन्द्र गहलोत, संदीप सांखला, विनीत भाटी, जुगल गहलोत, कविश कच्छवाहा, भरत सांखला, नृसिंह गहलोत, लक्ष्मण सोलंकी, मुकेश गहलोत, किशन गहलोत (सिंध), मेवाराम सोलंकी (सिंध), प्रकाश भाटी, अशोक गहलोत, लक्ष्मण टाक, कुलदीप गहलोत, मनीष परिहार, संदीप परिहार, सुनील सोलंकी, आशिष टाक, विरेन्द्र गहलोत (बली), लक्ष्मण परिहार (सर), मनोहर सिंह परिहार, लेखराज गहलोत, निर्मल सोलंकी, विरेन्द्र चौहान, नितेश कच्छवाहा, ईश्वर पंवार(सिंध), राजकुमार सोलंकी(सिंध), देवेन्द्र गहलोत, मनीष भाटी, बबलू सोलंकी, सोमेश सोलंकी, गौरव, दलपत जी, संदीप देवड़ा, जुगल पंवार, रवि परिहार, नीरज कच्छवहा, अशोक कच्छवाहा, प्रेमसिंह परिहार, शेरू गहलोत, धनसिंह सांखला, छैलाराम चौहान, अर्जुनसिंह सोलंकी, कैलाश सोलंकी, भगवान सिंह गहलोत, जीतेश सोलंकी, हरि सिंह सांखला, विकास गहलोत, अर्जुनसिंह सांखला, राकेश सांखला, सुमित गहलोत, योगेश चौहान, आशिष टाक, गौरव भाटी, अनिल कच्छवाहा,कैलाश टाक, सुधीर टाक, रिषभ सांखला सहित अनेक लोगों ने दिन रात एक कर इस शोभायात्रा की सफलता के लिए घर घर जाकर ना केवल प्रचार प्रसार किया बल्कि समाज के सभी वर्गो से सहयोग प्राप्त करने के लिए भी अथक प्रयास किए जिसके फलस्वरूप भव्य शोभायात्रा सफल हो सकी।

BLUE STAR
जयशंकर हार्डवेयर

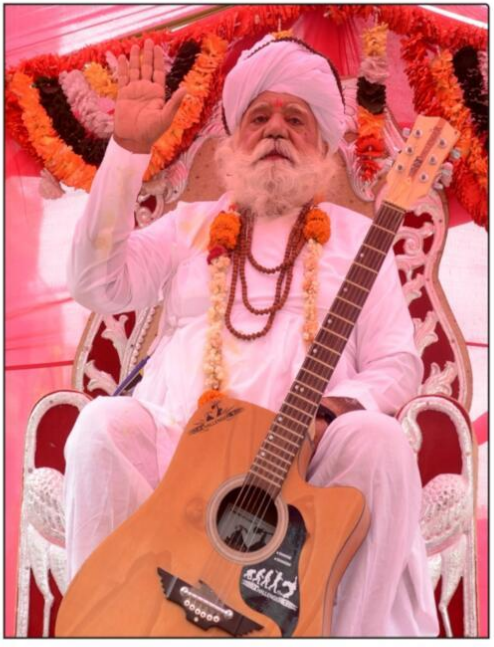

गुरु पूर्णिमा उत्सव पर नागौर में निकली शोभायात्रा का जगह-जगह हुआ स्वागत

संत लिखमीदास महाराज की जयंती पर तीन जगहों से निकली शोभायात्रा, डेह रोड पर संगम, यहां से पैदल पहुंचे अमरपुरा धाम

नागौर। गुरु पूर्णिमा व संत शिरोमणि लिखमीदास महाराज की जयंती के अवसर पर अमरपुरा धाम में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। संत शिरोमणि श्री लिखमीदास महाराज स्मारक विकास संस्थान अमरपुरा धाम नागौर के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में अनेक लोग पहुंचे। समाज के बालकिशन भाटी के अनुसार सुबह 9 बजे राठौड़ी कुआं के हनुमान मंदिर से शोभा यात्रा रवाना हुई। जो बख्तसागर, कक्कुवालों की पोल, नया दरवाजा, बाड़ी कुआं, रामपोल, किले की ढाल, गांधी चौक से होती हुई विजय वल्लभ चौराहे पहुंची। इस यात्रा में माली समाज शहर अध्यक्ष प्रेमसुख सांखला, पारसमल परिहार, दौलत भाटी, दीपक गहलोत, मदनलाल सांखला, मनीराम सांखला, मोहन सिंह भाटी, खगेश सांखला, पापालाल सांखला ने यात्रा का नेतृत्व किया।

इसी प्रकार सैनिक क्षत्रिय माली संस्थान नागौर के अध्यक्ष रामस्वरूप पंवार, कानाराम टाक, सुरेश सोलंकी, राधेश्याम टाक के नेतृत्व में चेनार स्थित लिखमीदास महाराज के जन्म स्थान बड़की बस्ती से भी एक शोभायात्रा रवाना हुई जो माली संस्थान से होती हुई विजय वल्लभ चौराहे पर माली समाज शहर शोभायात्रा से मिली। दोनों यात्राएं अमरपुरा धाम पहुंची जहां अमरपुरा धाम संस्थान के सचिव राधाकिशन तंवर, सहसचिव हरीशचन्द्र देवड़ा, कोषाध्यक्ष कमल भाटी, सदस्य धर्मेंद्र सोलंकी, सचिव रामकुमार सोलंकी, जगदीश सोलंकी व पंडित मोहन लाल सोलंकी, रामजस सोलंकी ने यात्रा की अगवानी की।

बिराई, जोधपुर से भी 60 श्रद्धालुओं का दल बाइक से अमरपुरा पहुंचा। वहीं भाजपा जिला मंत्री कृपाराम देवड़ा के नेतृत्व में महोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर ताऊसर सरपंच आशाराम भाटी व उप सरपंच रामेश्वर लाल कच्छावा, पूर्व सरपंच सुन्दर लाल देवड़ा, चेनार सरपंच खींवसिंह सोलंकी, भाजपा नेता मनोहर कच्छावा, पवन कुमार देवड़ा, मनीष कच्छावा, नेमीचन्द देवड़ा, रमेश कच्छावा, हेमन्त कच्छावा मौजूद थे। इसी प्रकार संत लिखमीदास सर्किल ताऊसर में संत लिखमीदास युवा वाहिनी नागौर जिला अध्यक्ष तिलोकचंद देवड़ा ने कार्यक्रम को संबोधित किया। इस मौके पर कंपाउंडर सुरेश भाटी, पापा लाल पंवार, सत्यनारायण कच्छावा आदि मौजूद थे।

इसी तरह माही दरवाजा सफाई सर्किल के जमादार हस्तीमल आदि ने अपने स्वच्छता सैनिकों के साथ महर्षि नवल साहिब के मंदिर में साफ सफाई करवा कर रंगोली, लाइनिंग करवाई।

फुले ब्रिगेड का राष्ट्रीय संयुक्त माली सैनी महा सम्मेलन का हुआ भव्य आयोजन

जयपुर। राष्ट्रीय संयुक्त माली सैनी महासम्मेलन– 2018 का दीप–स्मृति ऑडिटोरियम में माली , सैनी, शाक्य, मौर्य, मालाकार, यदुवंशी कुशवाह, काक्षी एवं सभी सैनी समाज का राष्ट्रीय महासम्मेलन का आयोजन किया गया वह राजस्थान में किया गया बहुत ही सौभाग्य एवं गौरव की बात है जो आज राजस्थान कि इस पावन धरा पर 21 राज्यों के प्रदेशाध्यक्ष, प्रदेश प्रभारी, प्रदेश पदाधिकारी एवं फुले सदस्य गणों ने भाग लिया, आज युवाओं में जागृति आ रही है और उसे सही दिशा में लाने के लिए इस महा अधिवेशन का आयोजन किया जा गया है जिसमें युवाओं ने अनेक लाभकारी योजना पर चर्चा की गई जिसके फलस्वरुप युवाओं में जागृति तेजी से आ सके और साथ ही युवाओं को जागरुक किया गया सके महासम्मेलन में राजनीतिक, समाज सुधारकों, बिजनेसमैन अधिकारीगण एवं आदरणीय गणमान्य लोगों द्वारा युवा शक्ति को सही मार्गदर्शन दिया गया।

राष्ट्रीय अधिवेशन का कार्यक्रम इस प्रकार रहा ' दीप प्रज्वलन ' स्वागत भाषण 'विभिन्न प्रदेश के प्रदेश अध्यक्षों, प्रभारियों का उद्बोधन इसके लिए राष्ट्रीय फुले ब्रिगेड के तत्वाधान में राष्ट्रीय सैनी माली महासम्मेलन को जयपुर के सबसे बड़े दीप स्मृति ऑडिटोरियम में फुले ब्रिगेड के राष्ट्रीय संयोजक श्रीमान सीपी सैनी साईंवाड जी ,राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश सैनी जी व उनकी समस्त राजस्थान की टीम के सहयोग से आयोजित किया गया इस आयोजन के मंच संचालन कर्ता प्रदेश प्रवक्ता भाई पुष्पेंद्र सैनी भाई राघव जी पवार भाई बाबूलाल जी बाबूलाल जी सैनी महासचिव,खेल सलाहकार डॉ. आर.एन. सैनी वरिष्ठ सांस्कृतिक सलाहकार उग्रसेन तंवर जी सैनी, हनुमानजी सैनी प्रदेश उपाध्यक्ष, सांगानेर तहसील प्रमुख हनुमान जी सैनी,रोशन जी सैनी ,राजेंद्र जी सैनी, मोहनलाल जी सैनी ,कृष्णा जी सैनी ,डॉ. रामवीर जी सैनी, राकेश जी सैनी भरत जी सैनी हीरालाल जी ,सैनी गोपाल जी सैनी,चेतन सैनी लालचन्द सैनी राकेश जी जे पी कोटिया जी सैनी आदि फुले ब्रिगेड की समस्त पदाधिकारियों द्वारा पूर्ण सहयोग किया गया है एवं सभी फुले ब्रिगेड के पदाधिकारियों वह एक एक साथी कार्यकर्ता का पूर्ण सहयोग रहा द्य साथ ही सम्मान समारोह में भामाशाहों को भामाशाह सम्मान ,समाज सेवको का फूले रत्न अवार्ड से सम्मान वह युवा समाजसेवियों का यूथ आइकन अवॉर्ड से सम्मान किया गया।

साथ ही फुले ब्रिगेड के पदाधिकारियों को संगठन द्वारा दिए गए दायित्वों को बेस्ट तरीके से निभाने के लिए बेस्ट परफॉर्मेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया जिसमें प्रदेश कार्यकारिणी के पदाधिकारियों का जिला प्रमुखो वह तहसील प्रमुखों का सम्मान किया गयाद्य महा सम्मेलन में महा सम्मेलन में पधारे समाज के प्रखर प्रवक्ताओं, समाज सेवियो, भामाशाहों, उच्च पदों पर आसीन अधिकारीगणों द्वारा समाज के चहुमुखी विकास के संदर्भ में युवाओं का मार्गदर्शन किया, साथ ही केंद्र सरकार और राज्य सरकारों द्वारा संचालित विभिन्न देशहित वह समाज हित में चलाई जा रही योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने का आवाहन किया ताकि संपूर्ण राष्ट्र की तरक्की में सैनी (माली) समाज के योगदान को स्थान मिल सके जैसा कि देश के प्रथम क्रांतिकारी शिक्षक व शिक्षिका महात्मा ज्योतिबा फुले और मां सावित्री बाई फूले ने पूरे देश में समाज के सुधार और उत्थान के लिए क्रांतिकारी कार्य किया था जिसको भुलाया नहीं जा सकता जो की सर्वविदित है साथ ही महापुरुष महात्मा ज्योतिबा फुले व देश की प्रथम महिला शिक्षिका मां सावित्रीबाई फुले को भारत रत्न से अभी तक वंचित रखा गया जबकि उनके शिष्यों को व उनके बाद के समाज सुधारको व देश भक्तों को भारत रत्न अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है।

हम फुले ब्रिगेड के योद्धा इस मंच से यह आवाहन करते हैं कि जिस सम्मान से इन्हें बहुत ही पहले सम्मानित किया जाना चाहिए था इस सम्मान को हम जब तक नहीं दिला देंगे तब तक चौन से नहीं बैठेंगे चाहे इसके लिए हमें अपने प्राणों की आहुति ही क्यों ना देनी पड़ेद्य अंत में समारोह के समापन भाषण में फुले ब्रिगेड के राष्ट्रीय संयोजक माननीय सी पी सैनी साईंवाड व फुले ब्रिगेड राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष श्रीमान दिनेश सैनी जी ने सभी मेहमानों का व वह फुले ब्रिगेड के विभिन्न प्रदेशों से पधारे प्रदेश अध्यक्षों ,प्रभारियों अधिकारियों व कार्यकर्ताओं का समारोह समारोह में पधारने पर आभार व्यक्त किया साथी राजस्थान से पधारे हुए फुले ब्रिगेड के जिला प्रमुखों , प्रभारियों तहसील प्रमुखो को तहसील प्रभारियों और उनकी टीम के समस्त कार्यकर्ताओं को कार्यक्रम को सफल बनाने में दिए गए योगदान के लिए धन्यवाद दिया और आभार व्यक्त किया साथ ही यह आश्वासन दिया कि समाज के साथ किसी भी तरह का अन्याय अगर होता है तो फुले ब्रिगेड उस अन्याय के खिलाफ आवाज उठा कर अन्याई और अत्याचारयों को दंड दिलवाने व पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है और रहेगी।

माली समाज के युवा भी कराएंगे फेरे, करेंगे नवजातों का नामकरण

प्रशिक्षण का मकसद रोजगार से नहीं बल्कि सभी जातियों में वैदिक संस्कृति का प्रचार-प्रसार करना है। -आचार्य रामगोपाल सैनी शास्त्री, प्रशिक्षक

बूंदी। माली समाज के युवा भी अब पंडिताई सीख रहे हैं। समाज के 12 युवा पंडिताई का प्रशिक्षण ले रहे हैं। माली विकास समिति की ओर से इन युवाओं को नैनवां रोड के एक निजी रिसोर्ट में पंडिताई का 10 दिन का निशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण दो सत्र में सुबह आठ से 10 और 10.30 से 1 बजे तक चलता है।

इसमें माली समाज के युवाओं को देव पूजन, हवन, गणेश पूजा, नवग्रह पूजा, वरुण पूजा, दैनिक हवन यज्ञ का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। शिविर में नवजात बच्चों के नामकरण, गृह प्रवेश, व्यापारिक प्रतिष्ठान के मुहूर्त, विवाह संस्कार जैसे फेरे, विनायक स्थापना, नवरात्र पूजा, लक्ष्मी पूजा, कलश पूजा का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इन युवाओं को फतेहपुर शेखावाटी (सीकर) के सेठ जीआर चमड़िया संस्कृत कॉलेज के प्रिंसीपल आचार्य रामगोपाल सैनी पंडिताई का प्रशिक्षण दे रहे हैं। सुबह पहले सत्र में इन युवाओं को प्रेक्टिकल प्रक्रिया के जरिए प्रशिक्षण दिया जाता है। दूसरे चरण में पंडिताई के बारे में मौखिक जानकारी दी जाती है। इनमें बूंदी के अलावा जयपुर, टोंक, भरतपुर, रावतभाटा से इंदौर तक के युवा प्रशिक्षण ले रहे हैं।

आचार्य रामगोपाल सैनी ने बताया कि वे पंडिताई सिखाने का काम सालों से करते आ रहे हैं। वे कहते हैं स्वामी दयानंद सरस्वती देश के बहुत बड़े समाज सुधारक थे। उन्होंने आर्य समाज संस्था बनाई थी। वे भी इस संस्था से जुड़े हैं। शेखावाटी में वे दूसरी जातियों के युवाओं को पंडिताई सिखाने के लिए कई प्रशिक्षण शिविर लगा चुके हैं। मुख्य रूप से माली, कुम्हार, जांगिड़, जाट, मेघवाल समाज के युवाओं को पंडिताई का प्रशिक्षण दे चुके हैं। 100 जनों को अब तक पंडित का काम सिखा चुके हैं। सभी जातियों के लोग वेद पढ़ सकते हैं, जनेऊ धारण कर सकते हैं। जो शास्त्रों का जानकार हो, वही पंडित होता है। वे समाज में नवाचार के जरिए जागृति लाने के लिए निशुल्क प्रशिक्षण दे रहे हैं। जब बूंदी की संस्था ने उनसे संपर्क किया तो उन्होंने हामी भर दी।

पंडिताई, हवन विद्या सीख रहे माली समाज के युवा पंडित का अर्थ जाति से नहीं विद्वान से जो शास्त्रों का ज्ञाता वही ब्राह्मण, पंडित का अर्थ ब्राह्मण जाति से नहीं विद्वान से है। माली समाज के ये 12 युवा ले रहे पंडिताई का प्रशिक्षण रूनाथूलाल सैनी बूंदी, संस्कृत शिक्षक सीताराम सैनी बांसी, संस्कृत शिक्षक कैलाश सैनी हरिपुरा, संस्कृत से पीजी हरिओम सैनी सिंघाडी, संस्कृत से ग्रेजुएट रामलाल सैनी निवासी रामनिवास, संस्कृत में पीजी कैलाश सैनी दोवड़ा, एमए बीएड दशरथ सैनी बड़ौदिया, एमए संस्कृत महावीर सैनी सतूर, योग प्रचारक प्रेमशंकर सैनी बड़ोदिया, ग्रेजुएट केसरीलाल सुमन बूंदी, महात्मा राधेश्याम सैनी दोवड़ा, संस्कृत शिक्षक जितेंद्र सैनी बूंदी।

पंडिताई ब्राह्मण ही करें, यह शास्त्रों में नहीं लिखा रूप्रशिक्षण ले रहे युवाओं का कहना है कि पंडिताई का काम ब्राह्मण ही करें, यह जरूरी तो नहीं, वेद शास्त्रों में लिखा है कि कर्म के आधार पर जाति तय होती है। वैदिक सभ्यता कर्म आधारित थी, हम वैदिक संस्कृति की परंपरा बनाए रखने के लिए ये नवाचार कर रहे हैं। जाति विशेष के लोग ही पंडित कहलाएं, यह जरूरी नहीं।

समाज गौरव स्वर्गीय श्री भगवानसिंह परिहार द्वारा संचालित लवकुश संस्थान में मिलता है अनाथ एवं असहाय बच्चों को पिता का नाम , कनाडा में बसेगी लवकुश की बेटियां

अनाथ बहनों राधिका–दीपिका को परिजन भी छोड़ गए थे कनाडा से गोद लेने आए दंपती, बोले– अब ये हमारी बेटियां

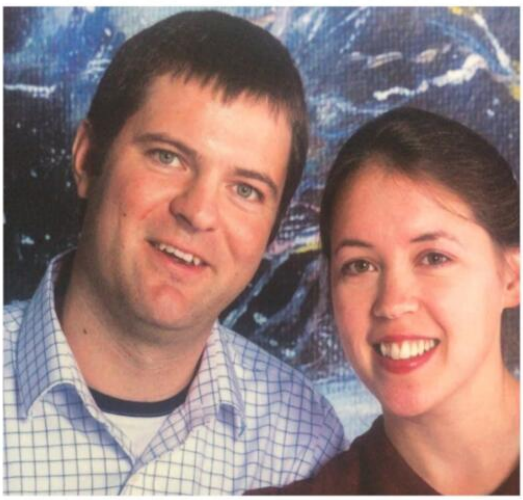

संस्था द्वारा सैकड़ों लड़कियों को दिया गया है पिता का नाम

जोधपुर। 5 साल की राधिका और 4 साल की उसकी बहन दीपिका अनाथ हुए तो उनके परिजन भी उन्हें चौहाबो स्थित नवजीवन संस्थान में छोड़ गए। अब करीब डेढ़ साल बाद किस्मत ने फिर रंग दिखाया है और कनाडा के एक दंपती इन दोनों बहनों को गोद लेने आए हैं। फिलहाल फैमिली कोर्ट में सारी फॉर्मेलिटीज और डॉक्यूमेंट्स पेश कर दिए गए हैं। वहां से स्वीकृति मिलते ही यह दंपती दोनों बहनों के माता–पिता बन जाएंगे। इसके बाद ये बेटियां कनाडा में ही पलेंगी–बढ़ेंगी।

इन्हें गोद लेने आए डेविड जहां फर्नीचर का काम करते हैं वहीं उनकी पत्नी डे–केयर सेंटर चलाती हैं। नवजीवन संस्थान के प्रभारी राजेंद्र परिहार ने बताया कि जब ये बच्चियां यहां आई तो बहुत छोटी थीं। कुछ बड़ा होने पर दोनों का इंग्लिश मीडियम स्कूल में एडमिशन करवाया गया। देखते ही देखते डेढ़ साल बीत गए। इस बीच ये बच्चियां संस्थान से और संस्थान का स्टाफ और अन्य बच्चे इनसे घुलमिल गए। हालांकि इस बीच संस्था की प्रभारी राजेंद्र परिहार को अन्य बच्चों की तरह इन मासूम बहनों के भविष्य की भी चिंता रहती। कुछ ही दिन पूर्व उन्हें पता पड़ा कि महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत काम करने वाले विभाग कारा की वेबसाइट पर इन बच्चियों की फोटो देखकर कनाडा के एक दंपती ने इन्हें गोद लेने की इच्छा जताई है। कारा अनाथ बच्चों को सही हाथों में गोद देने का काम करती है। इससे पूर्व वह इच्छुक दंपती की पूरी जांच–पड़ताल भी करती है।

फैमिली कोर्ट ने दी अनुमति तो कनाडा में बसेंगी और पलेंगी जोधपुर की ये 2 बेटियां सारी दुनिया छोड़ भारत को ही चुना

डेविड व उनकी पत्नी के खुद के कोई संतान नहीं है। वे बच्चा गोद लेना चाहते थे। भारतीय संस्कृति से वे इतना प्रभावित थे कि उन्होंने यहीं से बच्चा गोद लेने की ठानी। उन्हें फोटो में राधिका और दीपिका इतनी भाईं कि उन्होंने इन्हें ही अपनी बेटियां बनाने का निश्चय किया। इस बीच स्वीडन की एक अन्य महिला ने भी नवजीवन संस्थान से एक मासूम बेटी गोद ली है।

5 साल की राधिका और 4 साल की उसकी बहन दीपिका अनाथ हुए तो उनके परिजन भी उन्हें चौहाबो स्थित नवजीवन संस्थान में छोड़ गए। अब करीब डेढ़ साल बाद किस्मत ने फिर रंग दिखाया है और कनाडा के एक दंपती इन दोनों बहनों को गोद लेने आए हैं। फिलहाल फैमिली कोर्ट में सारी फॉर्मेलिटीज और डॉक्यूमेंट्स पेश कर दिए गए हैं। वहां से स्वीकृति मिलते ही यह दंपती दोनों बहनों के माता–पिता बन जाएंगे। इसके बाद ये बेटियां कनाडा में ही पलेंगी–बढ़ेंगी। इन्हें गोद लेने आए डेविड जहां फर्नीचर का काम करते हैं वहीं उनकी पत्नी डे–केयर सेंटर चलाती हैं।

नवजीवन संस्थान के प्रभारी राजेंद्र परिहार ने बताया कि जब ये बच्चियां यहां आई तो बहुत छोटी थीं। कुछ बड़ा होने पर दोनों का इंग्लिश मीडियम स्कूल में एडमिशन करवाया गया। देखते ही देखते डेढ़ साल बीत गए। इस बीच ये बच्चियां संस्थान से और संस्थान का स्टाफ और अन्य बच्चे इनसे घुलमिल गए। हालांकि इस बीच संस्था की प्रभारी राजेंद्र परिहार को अन्य बच्चों की तरह इन मासूम बहनों के भविष्य की भी चिंता रहती। कुछ ही दिन पूर्व उन्हें पता पड़ा कि महिला एवं बाल विकास विभाग कारा की वेबसाइट पर इन बच्चियों की फोटो देखकर कनाडा के एक दंपती ने इन्हें गोद लेने की इच्छा जताई है। कारा अनाथ बच्चों को सही हाथों में गोद देने का काम करती है। इससे पूर्व वह इच्छुक दंपती की पूरी जांच–पड़ताल भी करती है।

गुरु पूर्णिमा महोत्सव व स्वामीजी के 44 वाँ जन्मोत्सव पर आये10 हजार श्रद्धालु, 10 लाख का आया दान

नागौर के इतिहास में 1000 थालियों से पहली बार महाआरती

सुबह 9:15 से रात्रि 11:15 बजे तक चला कार्यक्रम, संत भी पधारे, यू-ट्युब चैनल पर लाईव प्रसारण, सर्च करें Devi Mamta

नागौर। विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय में गुरु पूर्णिमा महोत्सव व श्री श्री 1008 महामण्डलेश्वर स्वामी कुषालगिरीजी महाराज का 44 वाँ जन्मोत्सव पर्व धूमधाम से मनाया गया। स्वामीजी ने सर्वप्रथम अपने गुरुदेव श्री श्री 1008 सिंहस्थल पीठाधीष्वर क्षमारामजी महाराज एवं श्री श्री 1008 महामण्डलेष्वर स्वामी अरूणगिरीजी महाराज के चित्रपट्ट के समक्ष विधिवत् मंत्रोच्चारण के साथ दीप प्रज्वलित कर पुष्पमाला पहनाकर पूजन किया। स्वामीजी की माताश्री श्रीमती भँवरी देवी का आगमन हुआ, स्वामीजी ने प्रणाम कर आषीर्वाद लिया। वेद ध्वनि के उच्चारण द्वारा कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ, काषी विष्व विद्यालय से षिक्षा प्राप्त आचार्य पण्डित पवनजी पाठक ने विधिवत् मंत्रोचारण द्वारा गुरु पूजन करवाया गया। 1 हजार थालियों से एक साथ दीपक द्वारा स्वामीजी की महाआरती की जो नागौर जिले के इतिहास में पहली बार सबसे बड़ी व ऐतिहासिक महाआरती हुई।

स्वामीजी महाराज ने किस प्रकार साधना व भक्ति करनी चाहिए ताकि षिष्य को ईष्वर प्राप्ति, ईष्वर का साक्षात्कार एवं ईष्वर का अनुभव हो आदि कई ज्ञान की बातें बताई साथ ही गुरु धारण का महत्व, गुरु पूर्णिमा का महत्व, नषामुक्ति, आदर्ष घर, भक्ति की आठ अवस्थाएँ व नवधा भक्ति इत्यादि विभिन्न बिन्दुओं पर अध्यात्मिक प्रवचन दिये। विष्व की एक मात्र 4 लाख का सहयोग देने वाली कथा वाचिका देवी ममता ''देवीजी'' ने अपने गुरूदेव 'श्रीजी' महाराज के चरणों में प्रणाम कर गुरु महिमा का गुणगान करते हुए कहा की **''कर्ता करे ना कर सके, गुरु किये सब होइ। सात द्विप नौ खण्ड में, गुरु से बड़ा न कोइ।।''** और कहा कि अगर स्वामीजी महाराज की बातों को ग्रहण किया जाये तो जीवन संवर जायेगा। गुरुदेव के मार्गदर्षन पर चलकर ही इस भवसागर से पार हो सकते है। देवीजी के प्रंसगानुसार जसवंतगढ़ के प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा बहुत ही सुन्दर संजीव झांकियां भी दिखाई गई।

इस दौरान पुज्या साध्वी अमृता बाईसा व 1 दर्जन संतों के भी अल्प प्रवचन हुए। इस कार्यक्रम में देष के अनेक राज्यों से करीब 10 हजार से अधिक स्वामीजी के शिष्यों व भक्तों का आगमन हुआ, षिष्यों ने गुरु पुजन किया और भक्तों ने स्वामीजी को 44 वें जन्मदिवस की बधाई दी और आशीर्वाद प्राप्त किया। जिन भक्तों ने स्वामीजी को गुरु धारण किया उनको स्वामीजी ने मंत्र दिक्षा के साथ कंठी व तस्वीर दी। स्वामीजी को जन्मोत्सव की बधाई देने हेतु देर रात्री तक भक्तों का आवागमन जारी रहा। महोत्सव में कंवरियाट से पुज्य संत निर्मलदासजी महाराज, गजसिंहपुरा से पुज्या साध्वी बुल्ला बाईसा, अनुसुईया बाईसा, रासुवाला से पुज्य संत जसवंतदासजी महाराज, वृंदावन से पुज्य संत योगेन्द्रदासजी, पूज्य संत भागीरामदासजी महाराज, पूज्य संत श्यामदासजी शास्त्री व पूज्या साध्वी भगवती बाईसा हरसोलाव, भारतीय जनता पार्टी के राजस्थान में अभियान के तहत भाजपा के जिलाध्यक्ष रामचन्द्र उत्ता स्वामीजी महाराज हेतु शॉल, श्रीफल, फल फ्रुट व दक्षिणा का लिफाफा भेंटकर आषीर्वाद लिया, नागौर विधायक हबीबुर्रहमान, नागौर सभापति कृपाराम सोलंकी, माली समाज अध्यक्ष रामस्वरूप पंवार, पूर्व डी.आई. जी. सवाईसिंह गोदारा, नागौर कृषि मण्डी अध्यक्ष भोजराज सारस्वत, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी मूलाराम जांगु, कामधेनु एकेडमी से दौलत सारण इत्यादि गणमान्य नागरिकों ने पुष्पमाला पहनाकर आषीर्वाद प्राप्त किया।

जोधपुर से मुकेष डांगी एण्ड पार्टी,ब्यावर से प्रकाष जैन, ब्यावर से कविता शर्मा, चूरू से फूलचन्द नायक एण्ड पार्टी, नागौर से राधिका चौधरी, बाल कलाकार सुरेष जाखड़, करणाराम मेघवाल व राकेष सोलंकी इत्यादि कलाकारों ने मधुर भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों की प्रस्तुति पर भक्तों ने जमकर नृत्य किया, नृत्य के दौरान व भक्तों पर निरन्तर गुलाल व पुष्पों वर्षा हो रही थी तो रात्रि में भक्तों के अन्दर इतना जोष व श्रद्धा उमड़ी कि जोरदार गुलाल की वर्षा कर महोत्सव को अलग ही रूप दे दिया।

माली समाज ने की दोनो प्रमुख दलों से अधिक से अधिक टिकिट देने की मांग, राज. प्रदेश माली सैनी महासभा का कार्यकर्ता सम्मेलन सम्पन्न

भीलवाड़ा 28 जुलाई। राजस्थान प्रदेश में माली (सैनी) समाज की 10 प्रतिशत आबादी है। इतनी बड़ी संख्या में होने के बावजूद हमें राजनीतिक व सामाजिक अधिकार नहीं मिल रहे है। पिछले विधानसभा में भी दोनो ही प्रमुख दलों द्वारा समाज की अनदेखी की गई। लेकिन इस बार राजस्थान प्रदेश माली (सैनी) महासभा राजस्थान मे दोनो राजनीतिक प्रमुख दलों से अधिक से अधिक समाज के लोगो को टिकट दिलाने की पुरजोर मांग करेगा, अगर राजनीतिक पार्टियां माली समाज की उपेक्षा करती है तो पार्टियों को उसका खामियाजा आने वाले विधान सभा चुनाव में भुगतना पड़ेगा तथा महासभा अपने दम पर जहां भी जिस विधानसभा मे माली समाज बहुसख्यंक होगा वहां अपने दम पर उम्मीदवार खड़ा करेगी। यह विचार राजस्थान प्रदेश माली सैनी महासभा के चैयरमेन औंकाराम कच्छावा ने महासभा द्वारा आयोजित जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में मुख्य अतिथि पद से व्यक्त किये।

अजमेर रोड़ स्थित दीवाकर धाम में जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन की अध्यक्षता ऑल इंडिया माली (सैनी) सेवा समाज के उपाध्यक्ष ताराचंद गहलोत ने की व उन्होंने कहा कि राजस्थान में प्रत्येक विधानसभा में माली (सैनी) समाज के वोट बैंक निर्णायक है। विशेषकर अजमेर, जोधपुर, जयपुर संभाग और बीकानेर संभाग में बहुतायत रूप में वोट बैंक है और राजनीतिक जागरूकता के कारण समाज के लोगों को दोनो प्रमुख दलों से अधिक से अधिक टिकिट देने चाहिए। राज. प्रदेश माली सैनी महासभा के जिलाध्यक्ष गोपाल लाल माली ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आज के इस वैश्विक युग में जो शिक्षित होगा वहीं टिक पायेगा। इसके लिए हमारे समाज के संगठनों को, समाज के गरीब प्रतिभाशाली छात्र–छात्राओं को उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिए छात्रवृत्ति देनी चाहिए। जब समाज में शिक्षा की अलख जागेगी तो हमारा समाज राजनीतिक रूप से हिस्सेदारी में भी अपना हक लेने को सोचेगा।

कार्यकर्ता सम्मेलन में कई सामाजिक कुरीतियाँ मिटाने पर भी विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही महासभा को मजबूत बनाने के लिए सदस्यता अभियान पर विशेष जोर दिया गया। महासभा द्वारा यह भी एलान किया गया कि आने वाले विधानसभा चुनाव में समाज का कोई व्यक्ति पार्टी से या निर्दलीय चुनाव लड़ता है तो महासभा उन्हें तन–मन–धन से पूरा सहयोग करेगी। सम्मेलन में वक्ताओं द्वारा महान समाज सुधारक व महात्मा ज्योतिबा फूले व भारत की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्री बाई फूले को भारत रत्न देने की भी मांग की गई। इस सम्मेलन में भीलवाड़ा जिले के माण्डलगढ़, गंगापुर, माण्डल, बनेड़ा, करेड़ा, सहाड़ा, शाहपुरा सहित विभिन्न तहसीलों से सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

इस अवसर पर प्रदेश माली सैनी महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष मांगीलाल भाटी, माली समाज ट्रस्ट के अध्यक्ष बंशीलाल माली, माली युवा महासभा के जिलाध्यक्ष हरनारायण माली, पूर्व पार्शद देबीलाल माली, कोटड़ी महासभा के तहसील अध्यक्ष महावीर सोपरिया, धनराज गढ़वाल, कन्हैयालाल माली, भैरूलाल माली, कैलाश बंशीवाल, मदनलाल गहलोत, कन्हैयालाल लावड़ा, पृथ्वीराज माली, शंकरलाल गोयल, धनराज डाबला, तोताराम सांखला, नानूराम गोयल, संपत बुलिवाल, राजकुमार गोयल, देबीलाल दीवड़ा, लक्ष्मण सरिवाल, सत्यनारायण माली, गणपत चांगवाल, संपत सोपिरया, देबीलाल रागस्या, सहित सैकड़ों की संख्या में माली समाज के लोग उपस्थित थे।

महासभा की बैठक में विभिन्न विषयों पर हुई चर्चा

पुष्कर 14 जुलाई। राजस्थान प्रदेश माली सैनी महासभा रजि०के चेयरमेन ओंकार राम कच्छावा व प्रदेशाध्यक्ष छुट्टनलाल सैनी फूलवाले की अध्यक्षता में रविवार दिनाँक 15 जुलाई 2018 को अजमेर के पुष्कर स्थित अखिल भारतीय माली सैनी सेवा संस्थान के प्राँगण में प्रातः 11 बजे कौर कमेटी पदाधिकारियों एवं जिला अध्यक्ष एवं संयोजकगण की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया जाएगा।

महासभा के जिला अध्यक्ष गोपाल लाल माली ने बताया कि मानसून सत्र के अंतर्गत महासभा की प्रदेश कार्यकारिणी सहित सभी जिला अध्यक्ष व महासभा के सक्रिय सदस्यों की उक्त बैठक में प्रदेश में आगामी चुनावी समर के मध्येनजर महासभा की भूमिका के अलावा महासभा सदस्यता अभियान व अन्य संगठनात्मक व ज्वलन्त आंदोलनात्मक कार्यक्रमों पर चर्चा की जाएगी। वहीं दूसरी ओर समाज के समयबद्ध एवं चरणबद्ध चलाये जा रहे अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा की जाएगी। इस बैठक में प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों से महासभा कार्यकर्ता भाग लेंगे।

लक्ष्य के लिए आर्थिक परिस्थितियां बाधा नहीं बनती – चेतन देवड़ा

भोपालगढ़ । श्री सैनी महाविद्यालय व विद्यालय प्रांगण में ऑल इंडिया सैनी माली ऑफिसियल एवं माली समाज संस्थान भोपालगढ़ के तत्वधान में बहु प्रतियोगी प्रशिक्षण संस्थान में प्रतिभा सम्मान समारोह एवं केरियर गाइडेंस सेमिनार का आयोजन हुआ। पुखराज सोलंकी व हेमसिंह सोलंकी ने बताया कि सेमिनार के मुख्य वक्ता एवं मार्गदर्शन IAS चेतन देवड़ा संयुक्त शासन सचिव गृह विभाग ने बताया कि मजबूत इरादों के लिए परिस्थितियां बाधा नहीं बनती । उसे सिर्फ लक्ष्य की ओर अग्रसर रहना चाहिए ।

इस अवसर पर आईएएस महेश सैनी रक्षा संपदा बीकानेर ने कहा कि जीवन में कुछ करना हो तो लक्ष्य कभी दूर नहीं । आईपीएस राहुल भाटी ने कहा कि हारने वाले ही जीत हासिल करते हैं समाज में शिक्षा के लिए सभी का प्रयास होना जरूरी है। आई एस अर्जुन सैनी ने कहा कि मजबूत इरादों हो तो कुछ भी असंभव नहीं है । इस सेमिनार में विशनाराम देवड़ा तहसीलदार मेड़ता सिटी, अमृत लाल सांखला RAS , डॉ भरत देवड़ा RAS , बसंत सैनी नगर परिषद आयुक्त नोहर हनुमानगढ़ , चुन्नीलाल टाक सेवानिवृत्त एसडीएम, मंदरूप देवड़ा प्रोफेसर, बाबूलाल देवड़ा प्रोफेसर, डॉक्टर हरिराम परिहार, डॉक्टर आरके देवड़ा एसोसिएट प्रोफेसर उम्मेद अस्पताल जोधपुर, डॉक्टर लुंबाराम सोलंकी, अभिषेक गहलोत अधिशासी अधिकारी बीकानेर , महेंद्र शास्त्री शिक्षा वादी झुंझुनू , राधाकिशन माली (ATO) डॉक्टर प्रवीण गहलोत , अल्पुराम टाक प्रधानाचार्य , खेमचंद माली कस्टम इंस्पेक्टर गुजरात, कैलाश सैनी अलवर, कंवराराम भाटी अध्यक्ष मालियान सब्जी मंडी, पांचाराम सोलंकी अध्यक्ष माली समाज संस्थान , घासीराम भाटी अध्यक्ष संत शिरोमणि लिखमीदास जी महाराज गौशाला , रामस्वरूप देवडा सचिव , बद्रीराम देवडा उपाध्यक्ष ,चेनाराम भाटी कोषाध्यक्ष, सहित समाज के प्रबुद्धजन एवं सैनी ऑफिशियल संस्था के सदस्यगण व प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी करने वाले प्रतिभागी एवं समाज के सैकड़ों लोग थे।

कार्यक्रम का संचालन राकेश माली नेवी व हेम सिंह सोलंकी ने किया।

मातृशक्ति : समाज 2 बच्चों की मां चेतना सैनी ने 5 साल बाद रिंग में उतर कर जिता गोल्ड मेडल

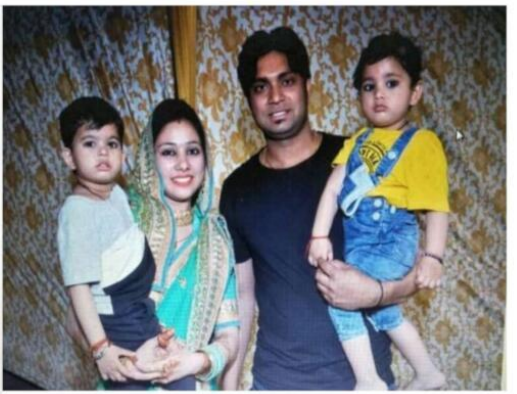

गुड़गांव । 23 साल की चेतना सैनी को अगर गुड़गांव की मैरी कोम कहा जाए, तो गलत नहीं होगा। हरियाणा के गांव फर्रुखनगर में जन्मीं चेतना की शादी कम उम्र में ही कर दी गई थी। उस समय वह नैशनल लेवल पर बॉक्सिंग में झंडे गाड़ रही थीं। शादी के बाद दो बच्चों को जन्म दिया, लेकिन कामयाब बॉक्सर बनने का सपना पूरा करने की चाह दिल में जिंदा रखी। इसी जज्बे से चेतना ने न सिर्फ अपनी पढ़ाई जारी रखी, बल्कि 5 साल बाद फिर रिंग में उतरकर डिस्ट्रिक्ट लेवल चौंपियनशिप में गोल्ड जीत लिया। अब वह नैशनल टूर्नमेंट में एंट्री की तैयारी कर रही हैं। हरियाणा के गांवों में जहां लड़कियों की शादी कम उम्र में ही कर दी जाती है, वहीं बहुत कम ही ऐसी लड़कियां होती हैं जो शादी के बाद भी अपने सपनों को पूरा कर पाती हैं। ऐसे में फरुर्खनगर की चेतना सैनी ने बॉक्सिंग स्टार बनने की चाह नहीं छोड़ी। चेतना बताती हैं कि वे दो बहनें हैं। दोनों की शादी एक साथ ही हुई थी। उस समय उन्होंने 12वीं ही पास की थी। उनके गांव से कॉलेज काफी दूर था, ऐसे में आगे की पढ़ाई जारी रखना मुश्किल हो रहा था। उधर, वह स्कूल लेवल पर बॉक्सिंग में काफी अच्छा खेल रही थीं। ऐसे में शादी का जिक्र होते ही जैसे उनके सपनों पर ब्रेक लग गया।

पति के सपॉर्ट से जुटाई हिम्मत

ससुराल में बड़ी बहू होने के नाते उनकी जिम्मेदारियां काफी थीं। सिलोखरा गांव में वह एक जॉइंट फैमिली में आई थीं लेकिन जल्द ही वह परिवार के मन में बस गईं। उन्होंने अपनी बीकॉम की पढ़ाई गवर्नमेंट गर्ल्स कॉलेज गुड़गांव से की। शादी के करीब 5 साल के दौरान उन्होंने दो बच्चों को जन्म दिया। अब एक बेटा प्री–नर्सरी और एक नर्सरी में है। चेतना ने एमकॉम में भी ऐडमिशन ले लिया। वहीं सास, ननद, देवर और पति के सपॉर्ट से उन्होंने अपने मन में दबी बॉक्सिंग की चाहत को हवा दी।

डिस्ट्रिक्ट लेवल पर बनीं बेस्ट बॉक्सर

एक लंबे ब्रेक के बाद केवल 2 महीने की प्रैक्टिस से उन्हें डिस्ट्रिक्ट लेवल पर आयोजित बॉक्सिंग प्रतियोगिता में बेस्ट बॉक्सर का खिताब मिला। अपनी 54 किलो वेट कैटिगरी में उन्होंने गोल्ड हासिल किया। चेतना ने बताया कि वह प्रशिक्षक विजय गौड और धर्मवीर के अंडर प्रैक्टिस कर रही हैं। वहीं, दो महीने बाद नैशनल ओपन बॉक्सिंग चौंपियनशिप के लिए ट्रायल लिए जाने हैं। इसके लिए प्रैक्टिस भी शुरू कर दी है। अब उनके बच्चों को सास, ननद संभालती हैं। उनके दोनों बेटे उनके साथ प्रैक्टिस सेशन में कई बार आते हैं और उन्हें बॉक्सिंग करते देख बहुत खुश होते हैं। चेतना बताती हैं कि उनका परिवार चाहता है कि वह देश के लिए मेडल जीतकर लाएं।

3 नैशनल टूर्नमेंट का बन चुकी हैं हिस्सा

चेतना शादी से पहले 3 बार नैशनल टूर्नमेंट का हिस्सा बन चुकी हैं। स्कूल लेवल पर 2010 में उन्होंने ओपन नैशनल प्रतियोगिता तमिलनाडु, 2011 में नैशनल टूर्नमेंट पंजाब और 2012 में स्कूल नैशनल प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था।

गांव के लिए शुरू करुंगी फ्री कोचिंग

सिलोखरा की बच्चियों और महिलाओं को चेतना फ्री में बॉक्सिंग की कोचिंग देना चाहती हैं। उनका कहना है कि बॉक्सिंग सीखकर महिलाएं आत्मरक्षा के गुर भी सीख सकती हैं, जोकि आज के समय में बहुत जरूरी है। फिलहाल चेतना ने दूसरी बच्चियों को सीखाना भी शुरू कर दिया है। वह एक स्कूल में बच्चियों को बॉक्सिंग की ट्रेनिंग दे रही हैं।

समाज की लड़कियों के लिए चेतना सैनी एक रॉल मॉडल है हम उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करते है।

फूलकँवर कानाराम सेवा संस्थान, जोधपुर द्वारा आयोजित रूपावतों का बेरा में श्रीमद्भागवत कथा

जो व्यक्ति अपना मन सांसारिक पदार्थो से हटाकर परमात्मा के चरणों में जोड़ लेता हैं उसी का जीवन सफल हैं – महंत रामप्रसाद जी महाराज

जोधपुर। रूपावतों का बेरा, सूरसागर में पुरूषोत्तम माह के अन्तर्गत श्रीमद्भगवत कथा का आयोजन श्री बड़ारामद्वारा सूरसागर के महन्त रामप्रसाद महाराज के सानिध्य में भव्य शोभायात्रा के साथ हुआ। दिनांक 6 से 12 जून तक आयोजित कथा ज्ञान सत्र में दोपहर 1 से 5 बजे तक संगीतमय कथा का आयोजन फुल कंवर कानाराम सेवा संस्थान के तत्वावधान में किया गया था। संस्था के अध्यक्ष वरूणसिंह कच्छवाहा ने बताया कि प्रथम दिन सूरसागर बडारामद्वारा से गाडियों के काफिले के साथ रूपावतों का बेरा तक शोभायात्रा निकाली गई। हनुमान मंदिर से कथा मंडप तक कलश यात्रा के साथ भागवत कथा एवं सन्तों का बधावणा किया गया। मुख्य यजमान जेठूसिंह ने सपत्निक भागवत पोथी का पूजन किया। सन्त रामप्रसाद महाराज ने भागवत महात्मय के साथ कथा का शुभारम्भ किया। सन्त ने बताया कि कलिकाल में कथा श्रवण तरण तारण साधन है। भागवत कल्पवृक्ष रूप है जो व्यक्ति जिस श्रद्धानिष्ठा से कथा का श्रवण करता है भगवान भक्तों की मनोकामना पूर्ण करते है। गुरूवार को वराहावतार की कथा के साथ ध्रुवचरित्र की कथा होगी। शहर से श्रद्धालु भक्तों के लिये, नागौरी गेट, चांदणा भाखर, सत्संग भवन से बसों की निःशुल्क व्यवस्था की गई।

रूपावतों का बेरा, सूरसागर में पुरुषोत्तम माह के अंतर्गत फूलकँवर कानाराम सेवा संस्थान, जोधपुर द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के आयोजन के दूसरे दिवस में श्रीबड़ा रामद्वारा, सूरसागर के महंत रामप्रसाद जी महाराज ने कपिलोपाख्यान की कथा सुनाते हुवे कहा कि जो व्यक्ति अपना मन सांसारिक पदार्थों से हटाकर परमात्मा के चरणों में जोड़ लेता हैं उसी का जीवन सफल हैं। मनुष्य के स्वभाव व गुणों को लेकर भक्ति के भेद भी अनेक हो जाते हैं। भक्ति की प्राप्ति सत्संग कथा श्रवण से होती हैं। संत ने कहा कि भक्ति ध्रुव की तरफ दृढ़ होनी चाहिये। कथा में स्वामी नारायण मंदिर के संतों ने आशीर्वचन दिया। शहर से श्रद्धालु भक्तों के लिए नागोरी गेट, चांदना भाखर, सत्संग भवन आदि से बसों की निःशुल्क व्यवस्था की गई थी। श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिवस में श्रीबड़ा रामद्वारा, सूरसागर के महंत रामप्रसाद जी महाराज ने कहा कि सत्संग के समान कोई मित्र नहीं और कुसंग के समान कोई शत्रु नहीं। संत श्री ने बताया कि कथा श्रवण एवं नाम साधन ही कलिकाल में जीव को भवबन्धन से मुक्ति प्रदान करने वाले साधन हैं। नाम महिमा सुनाते हुवे संत ने बताया कि अग्नि में जाने अनजाने में हाथ लगने पर जलता है ऐसे ही भाव कुभाव किसी तरह लिया हुवा भगवन्नाम जीव को भवबन्धन से मुक्ति प्रदान करता है। कथा में पूर्व महापौर रामेश्वर दाधिच एवं जोधपुर भवन हरिद्वार के कार्यकर्ताओं ने संत श्री से आशीर्वाद प्राप्त कर भागवत जी का पूजन किया।

पुरुषोत्तम माह के अंतर्गत रूपावतों का बेरा, सूरसागर में फूलकँवर कानाराम सेवा संस्थान, जोधपुर द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिवस की कथा में कृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया। श्रीबड़ा रामद्वारा, सूरसागर के महंत रामप्रसाद जी महाराज ने कहा कि भगवान का अवतार विप्र गाय, देवता एवं संतों के कल्याणार्थ होता हैं। जो जीव भगवान की शरण हो जाता हैं। वह सांसारिक बन्धनों से छूट जाता हैं। कृष्ण जन्मोत्सव की सजीव झांकी सजाई गई। जोधपुर के महापौर घनश्याम ओझा एवं पूर्व मंत्री राजेन्द्र गहलोत ने भागवत पूजन किया एवं गायों को बचाने के लिए पॉलीथिन को खाने पीने की वस्तुओं के उपयोग में नहीं लेने का आव्हान किया। संत श्री ने श्रद्धालु भक्तों को हाथ खड़े कर संकल्प दिलाया। कथा के मुख्य यजमान जेठूसिंह कच्छवाहा ने अतिथियों का स्वागत किया।

श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिवस की कथा में नन्दोत्सव मनाया गया। नंद घर आनंद भयो की जयघोष से समूचा पांडाल गूँज उठा। भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन सुनाते हुए श्री बड़ा रामद्वारा, सूरसागर के महंत रामप्रसाद महाराज ने कहा कि भगवान की कथा सुनने से अन्तःकरण शुद्ध होता हैं एवं जीवन जीने का लक्ष्य प्राप्त होता हैं। कथा प्रसंग में खेड़ापा के वर्तमान पीठाचार्य पुरुषोत्तम दास महाराज ने भक्तों को संबोधित करते हुवे अपने उद्बोधन में कहा कि अच्छाई का अभिमान बुराई की जड़ है। नंदोत्सव में भगवान की सजीव झांकियां सजाई गई। सूरसागर विधायक सूर्यकांता व्यास (जीजी) ने भागवत का पूजन कर

संतों से आशीर्वाद प्राप्त किया।

श्रीमद्भागवत कथा के छटे दिवस की कथा में रुक्मिणी मंगल की कथा सुनाते हुए श्री बड़ा रामद्वारा, सूरसागर के महंत रामप्रसाद महाराज ने कहा कि जीव का नित्य संबंध परमात्मा से है। जब तक जीव परमात्मा से संबंध नहीं जोड़ लेता तब तक भवबंधन से मुक्ति नही पा सकता। परमात्मा की शरण लेने मात्र से उस प्राणी का भार परमात्मा अपने ऊपर उठा लेते है। कथा प्रसंग में संत श्री ने मुरली प्रेम री बजाई रे नंदलाला, गोपी गीत आदि भजनों से भक्तों को मन्त्रमुग्ध किया। कथा में वृन्दावन के संत प्रणवानन्दजी महाराज ने भक्तों को संबोधित करते हुवे आशीर्वचन प्रदान किया। साथ ही संत रामप्रकाश, संत हीरादास, संत टीकमदास सहित संत सानिध्य में कथा पूजन हुआ। रुक्मिणी विवाह में ष्कृष्ण–रुक्मिणी विवाह को सजीव झांकियां द्वारा सजाया गया। जिसमें भगवान के सजीव प्रारूप की गाजे बाजे के साथ बारात निकाली गई। मुख्य अतिथि के रूप में राजेन्द्र सोलंकी (पूर्व चौयरमेन), ओमप्रकाश जोशी, जगदीशजी सांखला, हिम्मतसिंह सोलंकी, नेमीचंद गहलोत आदि शहर के गणमान्य व्यक्तियों ने भागवत का पूजन कर संतों से आशीर्वाद प्राप्त किया।

श्रीमद्भागवत कथा की पूर्ण आरती संतो के पावन सानिध्य में हुई। श्री बड़ा रामद्वारा, सूरसागर के महंत रामप्रसाद महाराज ने कहा कि अमृत पीने के बाद कोई भी पेय पदार्थ शेष नही रह जाता ऐसे ही भागवत कथाम्रत रसपान करने के बाद कुछ भी जानना शेष नही रहता। संत श्री ने बताया कि कथा को जीवन का अंग बनाकर मानुष को अपना जीवन सफल बना देना चाहिये। मुख्य यजमान जेठूसिंह, विक्रमसिंह, वरुणसिंह कच्छवाह ने साप्ताहिक कथा का पूजन कर संत श्री से आशीर्वाद प्राप्त किया। जूना रामद्वारा के संत अमृतरामजी, संत टीकमदासजी बाल संत सहित संतो का सत्कार किया गया। पूर्णा आरती में महाप्रसादी का आयोजन किया गया । जसवंतसिंह, नरेंद्रसिंह, नरपतसिंह कच्छवाह, निकुंजसिंह, विनोदसिंह सहित शहर के गणमान्य लोगों ने भागवत पूजन किया गया।

रामतलाई तालाब प्रागंण का विधिवत सघन वृक्षारोपण महाअभियान कार्यक्रम की शुरुआत

जोधपुर। श्री सैनिक क्षत्रिय रामतलाई संरक्षण एवं पर्यावरण विकास संस्थान मगरा–पूंजला–चैनपुरा, जोधपुर व राजस्थान पत्रिका के हरियाला राजस्थान कार्यक्रम के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक गुरूवार दिनांक 19.07.2018, प्रातः 8.30 बजे रामतलाई तालाब प्रागंण का विधिवत सघन वृक्षारोपण महाअभियान कार्यक्रम की शुरूआत की जायेगी।

कार्यक्रम संयोजक एवं संस्थान अध्यक्ष बलवीरसिंह भाटी ने बताया कि रामतलाई प्राकृतिक तालाब से श्री सैनिक क्षत्रिय रामतलाई संरक्षण एवं पर्यावरण विकास संस्थान मगरा–पूंजला–चैनपुरा, जोधपुर के श्रमवीरों, स्थानीय नागरिकों व कई भामाशाहों द्वारा श्रब्ठ व अन्य संसाधनों द्वारा सहयोग से उक्त परिसर जो गंदगी, गंदगी, कंटीली झाड़ियों व अतिक्रमण से भरा पड़ा था, उसे साफ कर दिया गया है। अब दिनांक 19.07.2018, प्रातः 8.30 बजे रामतलाई तालाब प्रागंण का विधिवत सघन वृक्षारोपण महाअभियान कार्यक्रम की शुरूआत की संतों व गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थित में की जायेगी।

इस अवसर पर कार्यक्रम बलवीर भाटी, राकेश सांखला, हेमसिंह सांखला, माधोसिंह गहलोत, रणछोड़ परिहार, श्रवण सांखला, हनुमान प्रसाद शर्मा, सुरेन्द्रसिंह तिंवाड़ी, कैलाश आर्य, मुकेश राज गहलोत, धीरेन्द्र भाटी, नरेश भाटी, किशनसिंह परिहार, गजेन्द्र टाक, राजेश भाटी, दिलीप राठौड़, धर्मसिंह परिहार, प्रवीण गहलोत, चन्द्रशेखर परिहार, विनोद भाटी, हंसराज गहलोत, शेखर गहलोत, अनुज, रौनक, रूद्रप्रताप, उषा भाटी, भगवती भाटी, कविता, जान्हवी, शैफाली, मंजू देवी, छोटा देवी, चन्दीया देवी आदि का विशेष सहयोग रहेगा।

हार्दिक बधाई
सत्यम् पब्लिक सीनियर सैकण्डरी स्कूल
बापू नगर माता का थान, जोधपुर

सुनिल भाटी 91.33%

कोमल गहलोत 90.89%

कक्षा दसवीं के टॉपर्स को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

राजेन्द्र सोलंकी ने की वृक्षारोपण की शुरुआत

जोधपुर। श्री सैनिक क्षत्रिय पूंजला नाड़ी संरक्षण एवं पर्यावरण विकास संस्थान, मगरा–पूंजला, जोधपुर के तत्वाधान में पर्यावरण के प्रति संकल्प और विश्वास के साथ आगे बढ़ते हुए आज पूंजला नाडी पर वृक्षारोपण कार्यक्रम की शुरूआत राजेन्द्र सोलंकी, पूर्व जे.डी.ए. अध्यक्ष के द्वारा की गई। श्रमवीरों द्वारा पूंजला नाडी व पाल के साथ ऐतिहासिक धरोहरों की साफ–सफाई के साथ उसके अद्भुत सौन्दर्य को पुनः जीवंत किया है, इस कार्यक्रम में कई भामाशाहों द्वारा नाड़ी की खोदई कर बरसाती पानी के स्टोरेज की व्यवस्था की गई साथ में बिखरे पड़े कंटीले झाड़ को भी साफ–सफाई की गई।

कार्यक्रम संयोजक राकेश सांखला एवं संचालक जगदीश देवड़ा ने बताया कि स्वच्छता के इस महाअभियान में निरंतर प्रयासों व श्रमवीरों की मेहनत के चलते पूंजला नाडी का वर्षा ऋतु से पहले कायाकल्प का संकल्प अपनी पूर्णता की ओर अग्रसर हो रहा है।

वृक्षारोपण का कार्यक्रम श्रीमान् राजेन्द्र सिंह सोलंकी, पूर्व जे.डी.ए. चैयरमैन के हाथों से करवाया जायेगा। इस दौरान अतिथि के रूप में ओ.पी. भाटी, अमित सांखला, हरिसिंह गहलोत, बाबा रामदेव विकास समिति सदरादपुरा अध्यक्ष अशोक गहलोत व वार्ड 62 अध्यक्ष कैलाश आदि उपस्थित हुए। आज के इस कार्यक्रम में नीम, गुलमोर, शीसम, आम, वृट वृक्ष आदि पेड़ लगाये गये। बाबा रामदेव विकास समिति सदरादपुरा अध्यक्ष अशोक गहलोत ने अपने जन्मदिवस के उपलक्ष पर 51 पेड़ों को लगाने का संकल्प लिया साथ ही वार्ड अध्यक्ष 62 के कैलाशजी द्वारा भी 51 पेड़ों का संकल्प लिया गया। इस दौरान श्रवण सांखला ने लॉयन क्लब के माध्यम से इस पूंजला नाड़ी पर 101 पेड़ लगाने व संरक्षण का संकल्प लिया। स्थानीय भामाशाहों के माध्यम से करीब 40 टैक्ट्रर मिट्टी जे.सी.बी, ट्रेक्टर व डम्पर के माध्यम से खुदाई कर पाल को मजबूत किया गया ताकि पुरानी पाल को सुरक्षित किया जा सकें। योगाचार्य श्री दिलीप टाक के माध्यम से योग की महत्ता व योग द्वारा किया जायेगा साथ ही हर रविवार को प्रातः 6.30 बजे से 7.30 बजे तक निःशुल्क योग क्रिया करने व प्रशिक्षण देने का भी कार्यक्रम निरंतर किया जाना तय किया।

कार्यक्रम में श्रवण सांखला, अशोक गहलोत, धनराज, संदीप गहलोत, लिखमीराम, हंसराज गहलोत, शेखर गहलोत, हुकमसिंह सांखला, हरिसिंह गहलोत (चौधरी), बाबूलाल परिहार, खींवजी परिहार, बाबूलाल गहलोत, दिलीप टाक, रविन्द्र सरगरा, मनीष गहलोत, हरीश गहलोत, किशन गहलोत, युधिष्ठिर गहलोत, कैलाश, शैलेन्द्र, चेतन, अमरसिंह गहलोत, अमित सांखला, किशोर टाक, किशोर गहलोत, राजूराम, घनश्याम, विक्रम कच्छवाह, अशोक, ओमप्रकाश प्रजापत, नेमाराम गहलोत, सुनिल गहलोत, नरपत गहलोत छवरलाल गहलोत आदि उपस्थित होकर स्वच्छता व वृक्षारोपण के इस कार्यक्रम में अपनी सहभागिता निभाई और वृक्षारोपण के दौरान लगाये गये पेड़ों की सुरक्षा का संकल्प लिया।

पांच योगा टीचर ने बनाए वर्ल्ड रिकॉर्ड

जोधपुर। चौथे इंटरनेशनल योगा डे पर कोटा में पतंजलि योग पीठ और प्रदेश सरकार के साझा आयोजन में जोधपुर के पांच योगा टीचर्स ने गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करवाया है। तीन दिवसीय यह योगा सेलिब्रेशन 19, 20 व 21 जून तक चला जिसमें एक गिनीज बुक और 100 गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बने। यहां देश भर से आए एक लाख पांच हजार लोगों ने एक साथ योगा कर गिनीज बुक वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम किया तो अलग–अलग आसन में गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए गए।

इसमें जोधपुर के भगवानराम परिहार ने वज्रासन में 3 घंटे 8 मिनट, श्याम भाटी ने स्वस्तिका सन में 5 घंटे 13 मिनट, मंगलाराम पटेल ने उष्टासन में 25 मिनट, अशोक कुमार ने नटराजासन में 2 मिनट और ललित भारती ने खेचरी मुद्रा में 1 घंटे की लॉन्गेस्ट परफॉर्मेंस देकर ये वर्ल्ड रिकार्ड्स बनाए। इन पांचों लोगों को कार्यक्रम स्थल पर ही गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के एशिया हेड मनीष बिश्नोई व पतंजलि के आचार्य आसुदेव ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

इन पांचों में से भगवान, श्याम और अशोक आयुष मंत्रालय से सर्टिफाइड योग गुरू हैं तो बाकी भी योगा में स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रहे हैं।

निहारिका व सारिका की बहादुरी पर अनेकों संस्थाओं ने किया सम्मानित

जोधपुर। जोधपुर के तिथि अनुसार 560वें मिनी ऑडिटोरियम में मांड संस्थान के द्वारा आयोजित भव्य कार्यक्रम में बहादुरी के लिए सोढो की ढाणी निवासी व सेन्ट ऐन्शलम एन एस स्कुल सूरसागर की छात्राए मासूम बहने निहारिका 9 वर्ष व सारिका 7 वर्ष का हाल ही में 23 मई को गहरे पानी में डूबने से हिम्मत व समझदारी से जान पर खेल कर एक दूसरे की जिन्दगी बचाई थी।

इस बहादुरी के लिए आयोजित कार्यक्रम में जोधपुर के महापौर घनश्याम ओझा ने मैडल व जोधपुर विकास प्राधिकरण के कमिश्नर दुर्गेश बिस्सा ने प्रशस्ति पत्र व अविचल चतुर्वेदी ने मोमेन्टो व श्रीफल देकर इन दोनों बहनों का बहादुरी के लिए साहस सेवा श्री सम्मान से सम्मानित कर भविष्य में आगे बढते हुए प्रदेश का नाम रोशन करने का आशीर्वाद देकर अभिनन्दन किया गया। दोनों बहनों को अनेकों संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया गया है।

बार कोसिल ऑफ राजस्थान के सदस्य होगे एडवोकेट चिरंजीलाल लाल सैनी

जयपुर। बार कोसिल ऑफ राजस्थान के पिछले दिनों हुए चुनाव मे लक्षमनगढ के लाल ने कमाल कर दिया, बार कोसिल ऑफ राजस्थान के सदस्य होगे एड़वोकेट चिरंजीलाल उल्लेखनीय है कि बार कोसिल ऑफ राजस्थान के चुनाव में सम्पूर्ण प्रदेश के अधिवक्ता मतदान मे हिस्सा लेकर 25सदस्यों का चुनाव करते हैं लक्षमनगढ के वार्ड 29निवासी व राजस्थान हाईकोर्ट के वरिष्ठ एड़वोकेट चिरंजीलाल सैनी (गौड़) के विजयी होने पर सभी ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेक्षित की है।

लक्षमनगढ की भगवान दास तोदी महाविद्यालय से स्नातक करने के बाद कल्याण कालेज सीकर से कानून की डिग्री ली तथा उसके जयपुर मे राजस्थान उच्च न्यायालय मे वकालत शुरू की रुएड़वोकेट सैनी को माली सैनी संदेश परिवार की और से हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ तथा उज्ज्वल भविष्य की कामना ।

श्री सैनी ने प्रदेश के सभी अधिवक्ताओ शुभचिन्तको समर्थकों व सहयोगियों का आभार जताया है तथा विश्वास दिलाया है कि वो सभी भावनाओं व आकाक्षाओ के अनुरूप खरा उतरने का प्रयास करूंगा बार कासिल ऑफ राजस्थान का सदस्य बनना उपलब्धि व गौरव की बात है श्री सैनी संभवतया लक्षमनगढ तहसील के पहले अधिवक्ता है जो बार कोसिल ऑफ राजस्थान का सदस्य बनकर इतिहास रच रहे हैं।

मनोहर सिंह सांखला का एशिया पैसेफिक गेम्स प्रतियोगिता में चयन

जोधपुर। इण्टरनेशनल मास्टर गेम्स एसोसिएशन की ओर से 6 से 15 सितम्बर तक पेनांग (मलेशिया) में आयोजित होने वाले एशिया पैसेफिक मास्टर गेम्स में वेटलिफ्टर मनोहरसिंह सांखला का चयन किया गया है।

एसोसिएशन के सचिव विनोदकुमान ने बताया कि 3 से 7 अप्रेल तक चंडीगढ़ में हुई प्रथम राष्ट्रीय मास्टर प्रतियोगिता में वेथलिफिटंग में व्यक्तिगत प्रदर्शन के आधार पर मनोहर सिंह सांखला का इंटरनेशनल गेम्स के लिए चयन किया गया।

इससे पूर्व भी समाज के युवा वेटलिफ्टर मनोहर सिंह ने राष्ट्रीय अंतराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा ले समाज व देश को अनेकों पदक दिलाए है। विषम परिस्थितियों में किसी भी प्रकार के सरकारी एवं सामाजिक आर्थिक सहयोग के बगेर मनोहर सिंह सांखला ने हार न मानते हुए अपनी योग्यता से प्रतियोगिताओं में विजय हो सभी को गोरवान्चित यिा है।

माली सैनी संदेश के आजीवन सदस्यता सूची

श्री रामचंद्र गोविंदराम सोलंकी, जोधपुर
श्री नरेश स्व. श्री बलदेवसिंह गहलोत,जोधपुर
श्री प्रभाकर टाक (पूर्वअध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बाबूलाल(पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बंशीलाल मरोठिया, पीपाड़
श्री बाबूलाल पुत्र श्री दयाराम गहलोत, जोधपुर
श्री सोहनलाल पुत्र श्री हापुराम देवड़ा, मथानियां
श्री अमृतलाल पुत्र श्री ब्रह्मसिंह परिहार, जोधपुर
श्री भोमाराम पंवार(पूर्व उपा., नगरपालिका, बालोतरा
श्री रमेशकुमार पुत्र श्री शंकरलाल गहलोत, बालोतरा
श्री लक्ष्मीचंद पुत्र श्री मोहनलाल सुंदेशा, बालोतरा
श्री वासूदेव पुत्र श्री बाबूलाल गहलोत, बालोतरा
श्री मेहश पुत्र श्री भगवानदास चौहान, बालोतरा
श्री हेमाराम पुत्र श्री रूपाराम पंवार, बालोतरा
श्री छगनलाल पुत्र श्री मिश्रीलाल गहलोत, बालोतरा
श्री सोनाराम पुत्र श्री देवाराम सुंदेशा, बालोतरा
श्री सुजाराम पुत्र श्री पुनम सुंदेशा, बालोतरा
श्री नरेन्द्रकुमार पुत्र श्री अणदाराम पंवार, बालोतरा
श्री शंकरलाल पुत्र श्री मिश्रीमल परिहार, बालोतरा
श्री घेवरचंद पुत्र श्री भोमजी पंवार, बालोतरा
श्री रामकरण पुत्र श्री किशनाराम माली, बालोतरा
श्री रतन पुत्र श्री देवजी परिहार, बालोतरा
श्री मोहनलाल पुत्र श्री रतनाजी परमार, बालोतरा
श्री कैलाश काबली(अध्यक्ष माली समाज), पाली
श्री घीसाराम देवड़ा(मं. महामंत्री, भाजपा), भोपालगढ़
श्री शेषाराम पुत्र श्री मांगीलाल टाक, पीपाड़
श्री बाबूलाल माली,(पूर्व सरपंच, महिलावास) सिवाणा
श्री रमेशकुमार सांखला, सिवाणा
श्री श्रवणलाल कच्छवाहा, लवेरा बावड़ी
संत श्री हजारीलाल गहलोत, जैतारण
श्री मदनलाल गहलोत, जैतारण
श्री राजूराम सोलंकी, जालोर
श्री जितेन्द्र जालोरी, जालोर
श्री देविन लच्छाजी परिहार, डीसा
श्री हितेशभाई मोहनभाई पंवार, डीसा
श्री प्रकाश भाई नाथालाल सोलंकी, डीसा
श्री मगनलाल गीगाजी पंवार, डीसा
श्री कांतिभाई गलबाराम सुंदेशा, डीसा
श्री नवीनचंद दलाजी गहलोत, डीसा
श्री शिवाजी सोनाजी परमार, डीसा
श्री पोपटलाल चमनाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री भोगीलाल डायाभाई परिहार, डीसा
श्री मुकेश ईश्वरलाल देवड़ा, डीसा
श्री सुखदेव वक्ताजी गहलोत, डीसा
श्री दरगाजी अमराजी सोलंकी, डीसा
श्री भरतकुमार परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री जगदीश कुमार रमाजी सोलंकी, डीसा
श्री किशोरकमुार सांखला, डीसा
श्री बाबूलाल गीगाजी टाक, डीसा
श्री देवचंद, रगाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सतीशकुमार लक्ष्मीचंद सांखला, डीसा
श्री गणपतलाल नारायण सोलंकी, डीसा
श्री रमेशकुमार भूराजी परमार, डीसा
श्री वीराजी चेलाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सोमाजी रूपाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री शंकरलाल नारायणजी सोलंकी, डीसा
श्री फुलाजी परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री अशोककुमार पुनमाजी सुंदेशा, डीसा
श्री देवाराम पुत्र श्री मांगीलाल परिहार, जोधपुर
श्री संपतसिंह पुत्र श्री बींजाराम गहलोत, जोधपुर
श्री भगवानराम पुत्र श्री अचलुराम गहलोत, जोधपुर
श्री जितेन्द पुत्र श्री प्रेमसिंह कच्छाहा, जोधपुर
श्री सीताराम पुत्र श्री रावतमल सैनी, सरदारशहर
श्री जीवनसिंह पुत्र श्री शिवराज सोलंकी, जोधपुर
श्री घेवरजी पुत्र श्री भोमजी, सर्वोदय सोसायटी, जोधपुर
श्री जयनाराण गहलोत, चौपासनी चारणान, मथानियां
श्री अशोककुमार, श्री लक्ष्मीनारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री मोहनलाल, श्री पुरखाराम परिहार, चौखा, जोधपुर
श्री प्रेमकिशन पुत्र श्री भंवरलाल सोलंकी, चौखा
श्री हरीसिंह पुत्र श्री चुन्नीलाल गहलोत, जैसलमेर
श्री विजय परमार, तुषार मोटर्स एण्ड कंपनी, भीनमाल
श्री भंवरलाल पुत्र श्री किस्तुर सोलंकी, भीनमाल
श्री शिवलाल परमार, भीनमाल
श्री ओमप्रकाश परिहार, राजस्थान फार्मेसिया, जोधपुर
श्री प्रेमप्रकाश सैनी, मिलन रेस्टोरेण्ट, सीकर
श्री लक्ष्मीकांत पुत्र श्री रामलाल भाटी, सोजतरोड़
श्री रामअकेला, पुत्र श्री गोकुलराम सैनी, पीपाड़ शहर
श्री नरेश देवड़ा, देवड़ा मोटर्स, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह सांखला, सांखला सिमेंट, जोधपुर
श्री कस्तुरराम पुत्र श्री हिमाजी सोलंकी, भीनमल
श्री सांवरराम परमार, भीनमाल
श्री भारताराम परमार, भीनमाल
श्री विजय पुत्र श्री गुमानराम परमार, भीनमाल
श्री डी. डी. पुत्र श्री भंवरलाल भाटी, जोधपुर
श्री ब्रजमोहन पुत्र स्व. श्री रामस्वरूप परिहार, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह पुत्र श्री किशोरलाल परिहार, जोधपुर
श्री जयसिंह पुत्र श्री ओमदत्त गहलोत, जोधपुर
श्री मनोहरलाल पुत्र श्री मदनलाल गहलोत, जोधपुर
श्री समुन्द्रसिंह पुत्र श्री नारायणसिंह परिहार, जोधपुर
श्री हिम्मतसिंह पुत्र श्री हरीसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमानसिंह पुत्र श्री बालूराम सैनी, आदमपुरा
श्री अशोक सांखला, पीपाड़
श्री अशोक पुत्र श्री सोहन सांखला, जोधपुर
श्री नटवरलाल माली, जैसलमेर
श्री दिलीप तंवर, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह पंवार, जोधपुर
श्री संपतसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री जगदीश सोलंकी, जोधपुर
श्री मुकेश सोलंकी, जोधपुर
श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर
श्री अमित पंवार, जोधपुर
श्री राकेशकुमार सांखला, जोधपुर
श्री रविन्द्र गहलोत, जोधपुर
श्री रणजीतसिंह भाटी, जोधपुर
श्री तुलसीराम कच्छवाहा, जोधपुर
सैनी उच्च माध्यमिक विद्यालय, भोपालगढ़
माली श्री मोहनलाल परमार, बालोतरा
श्री अरविंद सोलंकी, जोधपुर
श्री सुनील गहलोत, जोधपुर
श्री कुंदनकुमार पंवार, जोधपुर
श्री मनीष गहलोत, जोधपुर
श्री योगेश भाटी, अजमेर
श्री रामनिवास कच्छवाहा, बिलाड़ा
श्री प्रकाशचंद सांखला, ब्यावर
श्री झूमरलाल गहलोत, जोधपुर
श्री गुमानसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री अशोक सोलंकी, जोधपुर
श्री महावीर सिंह भाटी, जोधपुर
श्री जयप्रकाश कच्छवाहा, जोधपुर
श्री अशोक टाक, जोधपुर
श्री नरेन्द्रसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री मदनलाल गहलोत, सालावास, जोधपुर
श्री नारायणसिंह कुशवाहा, मध्य प्रदेश
श्री भंवरलाल देवड़ा, बावड़ी, जोधपुर
श्री जवाराराम परमार, रतनपुरा (जालोर)
श्री रूड़ाराम परमार, सांचौर
श्री जगदीश सोलंकी, सांचौर
श्री कपूरचंद गहलोत, मुबंई
श्री टीकमचंद प्रभुराम परिहार, मथानिंया
श्री अरूण गहलोत, गहलोत क्लासेज, जोधपुर
श्री विमलेश नेनाराम गहलोत, मेड़तासिटी (नागौर)
श्री कैलाश ऊँकारराम कच्छवाहा, जोधपुर
माली (सैनी) सेवा संस्थान सब्जी मण्डी, पीपाड़
श्री मदनलाल सांखला, बालरंवा
श्री भीकाराम खेताराम देवड़ा, कुड़ी फार्म, तिंवरी
श्री गणपतलाल सांखला, तिंवरी
श्री रामेश्वरलाल गहलोत, तिवंरी
श्री देवाराम हिरालाल माली, मुंबई,

हनुमान मंदिर में देव मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव सम्पन्न

जोधपुर। मण्डोर नृसिंह विहार लाल सागर में संकट मोचन हुनमान मंदिर में नरसिंह कच्छवाह उद्यान में देव मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव सम्पन्न हुआ।

देव मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के संयोजक संतोष सिंह गहलोत ने बताया कि राम दरबार, शिव परिवार, गणेशजी, राधाकृष्ण और दुर्गा माता, बड़ा रामद्वारा के महंत श्री श्री 108 रामप्रसाद महाराज, बड़ा रामद्वारा, सूरसागर और पंडित ओमदत्त शंकर महाराज के सानिध्यमें मंत्रों के उच्चारण देव मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा स्थापित की गई।

सुबह 10.15 से यज्ञ गणपति पूजन, मातृत्व पूजन एवं देवन 05.15 बजे यज्ञ पूर्ण आहुति दी गई। नरसिंह विहार में मेला का माहौल था।

यजमान के साथ हजारों आमजन पूर्ण आरती में शामिल हुए। सांय महाप्रसादी में पहले संतो को प्रसाद कराया गया और दक्षिणा दी गई। उसके बाद नरसिंह विहार और मेहमानों को प्रसादी कराई गई।

इस कार्यक्रम में पूज्य श्री हरिराम जी शास्त्री–बड़ा रामद्वारा चांदपोल, और गोवत्स संत श्री राधाकृष्ण जी महाराज, राजेन्द्रसिंह सोलंकी–पूर्व जे.डी.ए. चैयरमैन, बाबूलाल पंवार–हरिद्वार धर्मशाला अध्यक्ष, पूर्व पार्षद मयंक देवड़ा, जगदीश पंवार, लक्ष्मणसिंह परिहार सहित समाज के अनेकों संस्थाओं के पदाधिकारी एवं प्रबुद्वजन उपस्थित हुए।

भलाई री भीत में 2000 वस्त्रों का वितरण

जोधपुर। नारायण सेवा समिति के सामाजिक सरोकार के कार्यक्रम भलाई री भींत में आज हमारे वस्त्र बैंक द्वारा आवश्यक जरूरतमन्द परिवारों को 2000 निःशुल्क वस्त्र वितरीत किये गये।

प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को आयोजित श्री अमृतलाल स्टेडियम मण्डोर में इस कार्यक्रम को लेकर लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिला। वस्त्र प्राप्त करने वाले जोधपुर के विभिन्न क्षेत्रों के लाभार्थी थे। वस्त्र दान करने वालों ने समिति के इस कार्यक्रम की सराहना की।

आज के कार्यक्रम में सेवा देने के लिए समिति के कार्यकर्ता सर्वश्री सुखसिंह कच्छवाहा, मोहनसिंह गहलोत, ओमप्रकाश गहलोत, रणजीतसिंह गहलोत, छंवरसिंह कच्छवाहा, कल्याणसिंह सांखला, अक्षय टाक, अर्जुनसिंह, मुकेश गहलोत, जयसिह, कनीराम भाटी, रामचन्द्र, पप्पूराम, प्रतापराम, चेतन आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

श्री घनश्याम झुमरलाल टाक, खेजड़ला
श्री मिश्रीलाल जयनारायण कच्छवाहा, चौखा, जोधपुर
अखिल भारतीय माली (सैनी) सेवा सदन, पुष्कर
श्री सुगनाराम पुत्र श्री बुधाराम भाटी, पीपाड़ शहर
श्री पारसराम पुत्र श्री जयसिंह सोलंकी, जोधपुर
श्री रूपचंद पुत्र श्री भंवरलाल मरोठिया, पुष्कर
श्री धनाराम पुत्र श्री जुगाराम गहलोत,सालावास, जोधपुर
श्री कृपाराम पुत्र श्री आईदान सिंह परिहार, चौखा,जोधपुर
सरपंच श्री रामकिशोर पुत्र श्री हप्पाराम टाक, बालरवां
श्रीमती अंजू(पं.समिति सदस्य), सुपुत्री श्री ढ़लाराम गहलोत, चौपासनी चारणान
श्री केवलराम पुत्र श्री शिवराम गहलोत, चौपासनी चारणान
श्री रामेश्वर पुत्र श्री सवाई राम परिहार, मथानियां
सरपंच श्रीमती मिनाक्षी पत्नी श्री चद्रसिंह देवड़ा, मथानियां
सरपंच श्रीमती गुड्डी पत्नी श्री खेताराम परिहार, तिंवरी
श्री अचलसिंह पुत्र श्री रूपाराम गहलोत, तिंवरी
श्रीमती रेखा(उप प्रधान) पत्नी श्री संजय परिहार, मथानियां
श्री चैनाराम पुत्र श्री माणकराम देवड़ा, मथानियां
श्री अरविंद पुत्र श्री भंवरलाल सांखला, मथानियां
श्री उम्मेद सिंह टाक पुत्र स्व. सेठ श्री कनीराम टाक, जोधपुर

श्री गिरधारीराम पुत्र श्री राजुराम कच्छवाहा, खींवसर
श्री देवेन्द्र सिंह पुत्र श्री सुरेन्द्र सिंह गहलोत
श्री मदनलाल (ग्राम सेवक) पुत्र श्री सोमाराम गहलोत, मथानियां
श्री लिखमाराम सांखला पुत्र श्री छोटुराम सांखला, रामपुरा भाटियान, तिंवरी
सरपंच श्रीमती संजू पत्नी श्री हुकमाराम सांखला, रामपुरा भाटियान, तिंवरी
श्री श्यामलाल पुत्र श्री मांगीलाल गहलोत, मथानियां त. तिंवरी
श्री खेताराम सोलंकी, लक्ष्मी स्टोन कटिंग, पीपाड़ शहर
श्री गोबरराम पुत्र श्री हरीराम कच्छवाहा, पीपाड़ शहर
श्री शंभु पुत्र श्री मूलचंद गहलोत, अजमेर
श्री रामनिवास पुत्र श्री पूनाराम गहलोत, जोधपुर
श्री धर्माराम सोलंकी, सोलंकी खाद बीज, जोधपुर
श्री धनराज पुत्र श्री राणाराम सोलंकी, पीपाड़ शहर
श्री संपतराज पुत्र श्री बाबूलाल सैनी, पीपाड़ शहर
सी. ए. श्री महेश पुत्र श्री आनंदीलाल गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमान सिंह गहलोत, हनुमान टेंट हाऊस, जोधपुर
श्री मयंक पुत्र श्री दीनदयाल देवड़ा, जोधपुर
श्री नित्यानंद पुत्र श्री धनसिंह सांखला, जोधपुर
श्री महेश पुत्र श्री अमरसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री धनसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री कैलाश पुत्र श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर,
श्री भारतसिंह पुत्र श्री लिखमाराम कच्छवाहा, जोधपुर

श्री संदीप पुत्र श्री नृसिंह कच्छवाहा, जोधपुर
श्री धमेन्द्र पुत्र श्री संतोष सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री निर्मल सिंह (एस.ई.)पुत्र श्री भजनसिंह कच्छवाहा, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह कच्छवाहा(चैयरमेन, पीपाड़) पुत्र श्री पुखराज कच्छवाहा, पीपाड़
श्री अमृतलाल टाक पुत्र श्री चेनाराम टाक, बुंचकला, पीपाड़
श्री चांदरतन पुत्र श्री माणकचंद सांखला, बीकानेर
श्री कमलेश पुत्र श्री मुल्तान सिंह कच्छवाहा, पीपाड़ शहर
श्री सहीराम पुत्र श्री हिन्दुराम गहलोत, पीपाड़ शहर
श्री मनमोहन पुत्र श्री मनोहर सिंह सांखला, जोधपुर
श्रीमती कमला धर्मपत्नी श्री रमेशचंद्र माली, जोधपुर
श्री दशरथ पुत्र श्री विशन सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री राजकुमार पुत्र श्री रतनलाल सोलंकी, जोधपुर
श्री मेवाराम पुत्र स्व. श्री नारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री गंगाराम पुत्र श्री हरीराम सोलंकी, जोधपुर
डॉ. हिरालाल पुत्र श्री मादुराम पंवार, जोधपुर
श्री गंगाराम पुत्र श्री किशनलाल सोलंकी, जोधपुर

माली सैनी सन्देश

घर बैठे माली सैनी संदेश मंगाने के लिए भर कर भेजें

सदस्यता फार्म

दिनांक ____________

माली सैनी संदेश पत्रिका देश के प्रत्येक राज्य के प्रमुख शहरों के साथ ही ग्रामिण क्षेत्रों में माली सैनी समाज के लोगों की जानकारियों आपको विगत 14 वर्षो से हर माह पहुंचाकर समाज के विभिन्न वर्गो में हो रहे समाज उत्थान एवं शिक्षा तथा अन्य क्षेत्र के विकास कार्यो की जानकारी प्रदान कर रहा है। समय समय पर समाज के विभिन्न आयोजनों की भी विस्तृत जानकारी पत्रिका के प्रकाशन के माध्यम से सभी को उपलब्ध कराई जा रही है। यहीं नहीं देश के बाहर विदेशों में रह रहे समाज बंधुओं को भी समाज की संपूर्ण जानकारी वेब–साईट के माध्यम से भी उपलब्ध कराई जा रही है। समाज की प्रथम ई–पत्रिका होने का गौरव भी आप सभी के सहयोग से हमें ही मिला है।

हमारी वेबसाईट www.malisaini.org में समाज के सभी वर्गो की विस्तृत जानकारियां उपलब्ध है एवं www.malisainisandesh.com में हमारी मासिक ई पत्रिका के वर्तमान एवं पूर्व के अंकों का खजाना आपके लिए हर समय उपलब्ध है। आप हमें पे–टी.एम. से मोबाईल नंबर 9414475464 पर भी सदस्यता शुल्क भेज पत्रिका प्राप्त कर सकते है।

डाक से नियमित रूप से निम्न पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका भेजने के लिए डिमाण्ड ड्राफ्ट/ मनीआर्डर माली सैनी संदेश के नाम से भेज रहा हूं।

सदस्यता राशि

दो वर्ष रु 400/- | **पांच वर्ष रु 900/-** | **आजीवन रु 3100/-**

नाम/संस्था का नाम ____________

पता ____________

फोन।/मोबाईल ____________ ई-मेल ____________

ग्राम ____________ पोस्ट ____________ तहसील ____________

जिला ____________ पिनकोड ____________

राशि (रुपये) ____________ बैंक का नाम ____________

डिमाण्ड ड्राफ्ट/मनीआर्डर क्रमांक ____________ (डीडी/एमओ माली सैनी संदेश के नाम से भेजें)

अत: मुझे/हमें भी अंग्राकित पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका डाक द्वारा भेजें।

दिनांक ____________

हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखें : - प्रसार प्रभारी

3, जवरी भवन, भैरुबाग मंदिर के सामने, महावीर काम्प्लेक्स के पीछे, सरदारपुरा, जोधपुर (राज।)

Mobile : 9414475464/9214075464 visit us www,malisainisandesh.com
www.malisaini.org EAmail : malisainisandesh@gmail.com; editor@malisaini.org

ही क्यों ?

क्योंकि

हमारे पास है सैकड़ों एन. आर. आई. सहित पांच हजार पठकों का विशाल संसार

क्योंकि

हम बताते है सच्चाई तथा सामाजिक गतिविधियों की संपूर्ण जानकारी जो कि समाज में हो रही है।

हमें विज्ञापन दीजिये

क्योंकि
हमारी क्रियेटिव टीम के साथ
यह सजाती है आपके ब्राण्ड को पूरे
देश ही नहीं विदेशों में भी

RATES

Advertisements

COLOR (Full Page)

Back Cover	10,000/-
Inside Cover	5,000/-

BLACK

Full Page	2,500/-
Half Page	1,500/-
Quarter Page	1,000/-

write us : P. O. Box 09, Jodhpur
Cell : 94144 75464,
log on : www.malisainisandesh.com
e-mail : malisainisandesh@gmail.com
e-mail : editor@malisaini.org

कार्यालय : 3, जवरी भवन, भैरूबाग मंदिर के सामने, महावीर काम्प्लेक्स के पीछे, सरपुरा, जोधपुर

www.malisainisandesh.com

जयपुर में आयोजित फुले ब्रिगेड का राष्ट्रीय संयुक्त माली सैनी महासम्मेलन की झलकियां

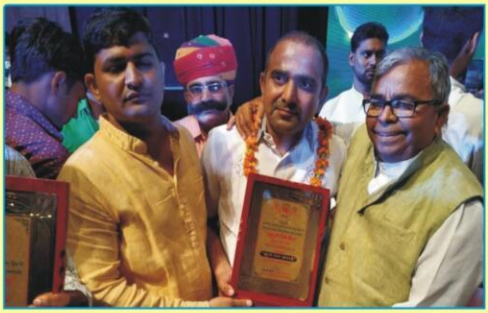

शाहकुंड (बिहार) में भारतीय युवा कुशवाहा समाज के द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में स्टेट टॉपर प्रेरणा को किया गया सम्मानित, समाज की अनेकों प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

स्टेट टॉपर प्रेरणा सैनी

Postal Regd No. Jodhpur/463/2017-19

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

माली सैनी समाज
के वरिष्ठ राजनीतिज्ञ, राज्यसभा सांसद

श्री मदनलाल सैनी

को राजस्थान प्रदेश
भारतीय जनता पार्टी
का प्रदेशाध्यक्ष
नियुक्त होने पर
हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं

शुभेच्छु
माली सैनी सन्देश
परिवार

स्वत्वाधिकारी संपादक / मालिक / प्रकाशक / मुद्रक
मनीष गहलोत के लिए भण्डारी ऑफसेट, न्यू पॉवर हाऊस
सेक्टर-7, जोधपुर से छपवाकर माली सैनी संदेश कार्यालय
सोजती गेट के अंदर, जोधपुर (राजस्थान) से प्रकाशित
फोन : 9414475464
ई-मेल - malisainisandesh@gmail.com
पत्र व्यवहार के लिए पता
P.O. Box No. 09, JODHPUR